आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 20 | इंदौर, शुक्रवार 21 अगस्त, 2026 | श्रावण शुक्ल 9 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

ब्रिटेन के राजकुमार हैरी और मेगन बच्चों के साथ 6 साल बाद लौटेंगे ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने अपने देश लौटने का फैसला किया है लेकिन वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं दोबारा नहीं संभालेंगे। ब्रिटेन की मीडिया ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी है। समाचारपत्र डेली टेलीग्राफ की खबर के अनुसार, दंपति के बच्चों प्रिंस आर्ची (सात) और प्रिंसेस लिलिबेट (पांच) का ब्रिटेन के विद्यालयों में दाखिला हो चुका है और वे सितंबर से अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे। खबर के मुताबिक, यह परिवार लंदन के बाहर एक निजी आवास में रहेगा। हैरी और मेगन ने छह साल से अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़ दी थीं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन जीने के लिए कैलिफोर्निया चले गए थे।

मिसाइल-बम बनाने में निजी कंपनियों को जोड़ेगा डीआरडीओ

नई दिल्ली। देश में मिसाइल और बम जैसे हथियारों का निर्माण अब निजी कंपनियों की भागीदारी से और बढ़ाने की तैयारी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने भारतीय निजी रक्षा कंपनियों को अपने साथ जुड़ने का मौका दिया है। इसके तहत कंपनियां डीआरडीओ के मिसाइल और रणनीतिक हथियारों से जुड़े प्रोजेक्ट के विकास और उत्पादन में भागीदार बन सकेंगी। यह कदम देश में रक्षा उत्पादन बढ़ाने और हथियारों के लिए विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। डीआरडीओ के मिसाइल एंड स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स (एमएसएस) क्लस्टर ने इसके लिए एक्सप्रेसंस ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है। चुनी गई कंपनियों को डीआरडीओ की तकनीकी, उत्पादन और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करना होगा।

भारत-जापान के बीच अहम डिफेंस डील, पाकिस्तान को बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है।

राजपाल यादव बोले
जिनका पैसा बकाया है, घर पहुंचा दूंगा

कहा- 13 साल में 250 करोड़ का नुकसान हुआ, घर नीलाम कर रहा बैंक

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने चेक बाउंस और कर्ज विवाद के बीच दावा किया है कि पिछले 13 साल में उन्हें 200 से 250 करोड़ रुपए का निजी नुकसान हुआ है। 55 साल के एक्टर ने कहा कि वे एक जिम्मेदार इंसान हैं और जिन लोगों का पैसा बकाया है, वे उसे चुका देंगे या उनके घर तक पहुंचा देंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 16 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने पर उनके पैतृक घर की नीलामी का नोटिस जारी किया है। फीस कम मिली, 50 से ज्यादा विदेशी टूर छूटे राजपाल यादव ने बताया कि 2013 से 2016 के बीच उनका सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान विदेश में उनके कम से कम 50 टूर छूट गए और मिलने वाली फीस भी काफी कम हो गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि जहां उन्हें 100 रुपए मिलने चाहिए थे, वहां सिर्फ 10 रुपए मिले। हालांकि, राजपाल ने कहा कि वे आर्ट के स्टूडेंट हैं और वे पैसों से ज्यादा अपनी कला में परफेक्शन को अहमियत देते हैं। 'जिनका पैसा बकाया है, घर पहुंचा दूंगा' अपनी आर्थिक स्थिति और कर्ज पर बात करते हुए राजपाल यादव ने कहा कि उन्होंने जिनसे भी पैसा उधार लिया था, उसे चुका दिया है या जल्द चुका देंगे।

नैनो न्यूज

- **नई दिल्ली:** पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का तिहाड़ में निधन, सिख विरोधी दंगों में उम्रकैद काट रहे थे, 4 केस में से 2 में बरी, 2 में दोषी थे।
- **कोलकाता:** जादवपुर यूनिवर्सिटी में एबीवीपी-लेफ्ट छात्रों में हिंसक झड़प, कई घायल, दोनों पक्षों ने हिंसा और बाहरी लोगों को लाने के आरोप लगाए।
- **नई दिल्ली:** भारत दौरे पर आ सकते हैं चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग, 12-13 सितंबर को दिल्ली में ब्रिक्स समिट, दोनों देशों में सीमा विवाद पर होगी बातचीत।
- **विशाखापट्टनम:** टीचर ने पीटा, बच्चे ने गोद में गिरकर दम तोड़ा, परिवार का दावा- दहशत में आया हार्ट अटैक।
- **नई दिल्ली:** शाह ने कहा- कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी, उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया और विभाजन की नींव डाली।

उत्तराखंड के चमोली जिले के नारायणबगड़ में हिंसक कुत्तों के हमलों से अब तक 11 लोग घायल

पागल कुत्तों के आतंक से 10 स्कूल बंद, बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई हो रही

एजेंसी ▸▸ चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले के नारायणबगड़ में हिंसक कुत्तों के हमलों से अब तक 11 लोग घायल हो चुके हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए 10 स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। इन स्कूलों के 600 से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन कराई जा रही है। कुत्तों के डर से लोग घर से बाहर जाते समय हाथ में डंडा लेकर निकल रहे हैं।

चमोली कलेक्टर गौरव कुमार के निर्देश पर मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने स्कूलों में छुट्टी का आदेश जारी किया था। पहले 20 से 23 अगस्त तक चार दिन की छुट्टी की घोषणा हुई, जिसे बाद में घटाकर दो दिन कर दिया गया। हिंसक कुत्तों को पकड़ने के लिए वन विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम अभियान चला रही है। 3 कुत्ते पकड़ लिए गए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि एक पागल कुत्ते ने अन्य कुत्तों को काटा, जिसके बाद क्षेत्र में कई कुत्ते आक्रामक हो गए। इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ऐसे बढ़े कुत्तों के हमले

स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार और सोमवार को 3 लोग कुत्ते के हमले का शिकार हुए। मंगलवार को कुत्तों ने स्कूली बच्चों समेत 4 लोगों को काटा। बुधवार को 3 स्कूली बच्चों समेत 4 अन्य लोगों पर हमला हुआ। कल घायल हुए दीपांशु बिष्ट, मानवी, वैष्णवी, मजदूर प्रकाश और पंती गांव निवासी लक्ष्मी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए।

17 सदस्यीय जॉइंट टीम चला रही ऑपरेशन

क्विक रिस्पॉन्स टीम में वन विभाग के 5, पशुपालन विभाग के 4 और तहसील के 4 कर्मचारी हैं। टीम के साथ 2-3 पुलिसकर्मी भी तैनात हैं। अभियान की निगरानी एसडीएम यदवीर सिंह कर रहे हैं। कुत्तों को जाल की मदद से पकड़ा जा रहा है। पशुपालन विभाग ने नारायणबगड़ पशु चिकित्सालय में 2 कैंप शुरू किए हैं। पकड़े गए कुत्तों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। लोगों से अपने कुत्तों का टीकाकरण कराने के लिए भी कहा जा रहा है। चमोली के पशु चिकित्सा अधिकारी देवेंद्र सिंह बिष्ट के अनुसार, नारायणबगड़ क्षेत्र में अब तक 22 कुत्तों का वैक्सीनेशन किया जा चुका है। दो गाय और एक बछड़े का भी टीकाकरण किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में स्कूल बंद करने पड़े थे

भारत में संभवतः यह दूसरा मौका है जब हिंसक कुत्तों के आतंक के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के राजौरी में कुत्तों के आतंक के कारण 8 पंचायतों के स्कूल एक दिन के लिए बंद करने पड़े थे। वहां लोगों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ भी तैनात करनी पड़ी थी।

सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से केजरीवाल-सत्येंद्र जैन को लेटर लिखा

तीन और घोटाले उजागर करने की धमकी दी

आप को घोटालों की ऑलवेज पार्टी बताया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को नया लेटर लिखा है। लेटर में उसने पार्टी से जुड़े तीन और घोटाले उजागर करने की धमकी दी है।

चंद्रशेखर ने दावा किया कि दिल्ली शराब नीति और जल बोर्ड को लेकर उसके पिछले खुलासे सही साबित हुए हैं। यह लेटर गुरुवार को सामने आया। उसने आम आदमी पार्टी को घोटालों की ऑलवेज पार्टी बताते हुए पंजाब को लेकर भी चेतावनी दी है। सुकेश धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

सुकेश धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में तिहाड़ जेल में बंद है

आपके भ्रष्टाचार को उजागर करने की दिशा में यह एक और कदम है। 2021-22 के मेरे खुलासे सही साबित हुए हैं। शराब नीति मामले के बाद अब जल बोर्ड का मामला सामने आया है। आपके तीन अन्य विभागों में तीन और घोटाले और भ्रष्टाचार उजागर किए जाएंगे। आम आदमी पार्टी का अब मतलब है एनीटाइम, ऑलवेज पार्टी ऑफ स्कैम है। पंजाब को फिर से बेवकूफ बनाने की बात भूल जाइए। दिल्ली में जो हुआ, पंजाब में आपकी अकड़ और आपकी घोटाले वाली पार्टी के खिलाफ इससे भी ज्यादा गुस्सा दिखेगा। आप लोग भ्रम में हो सकते हैं, लेकिन मुझे सब याद है। मैं जल्द ही आपको चौंकाऊंगा। केजरीवाल जी और सत्येंद्र जी, जेल से आपके लिए 2.0 बधाई। अब यह भी आने वाला है।

डॉक्टरों को एक यूनिक आईडी मिलेगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

नेशनल मेडिकल कमीशन ने हर रजिस्टर्ड डॉक्टर को केंद्रीय स्तर पर एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद एक बार राज्य मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन होने पर डॉक्टर को देश के किसी दूसरे राज्य में प्रैक्टिस करने के लिए अलग से नया रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नहीं लेना होगा। प्रस्ताव के तहत डॉक्टरों का एक राष्ट्रीय डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और डॉक्टर के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी दर्ज रहेगी।

भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क जाएंगे

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने कहा- आरएसएस पर बैन लगे

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग यानी यूएससीआईआरएफ ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान नहीं देने और उनके साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने को कहा है। आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के सदस्य हैं और इसके सहयोगी संगठनों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। पाकिस्तानी मूल के महमूद का यह बयान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे से कुछ दिन पहले आया है। भागवत 25 अगस्त से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के दौरे पर जाएंगे। भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग के यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशंस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

ट्रम्प बोले-आर्थिक हमले से ईरान को दुनिया से काट देंगे

जो देश ईरान का साथ देंगे, वे नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने समझौते का मौका गंवा दिया है। अब उसे आर्थिक तौर पर अलग-थलग किया जाएगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि ईरान की मदद करने वाले देशों और संस्थाओं पर भी कार्रवाई होगी। इसमें बैंक, कंपनियां, एयरपोर्ट और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं।

उन्होंने तेल तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई करने और कैश ट्रांसफर, करेंसी एक्सचेंज, जहाजों के रजिस्ट्रेशन और फर्जी कंपनियों के जरिए ईरान तक पहुंचने वाली आर्थिक मदद को रोकने की बात कही। ट्रम्प का दावा- ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना को बड़ा नुकसान हुआ है। उसके कई सैन्य कारखाने तबाह हो गए हैं। ईरान की मुद्रा की हालत भी बहुत खराब है और देश आर्थिक संकट में है। ट्रम्प ने अमेरिका की नई आर्थिक कार्रवाई को इकोनॉमिक डी-डे बताया।

मप्र के कई जिलों में बाढ़ के हालात

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया। बुधवार को करीब 2000 छात्र हॉस्टल छोड़कर चले गए। आज भी 9 जिलों में रेड अलर्ट है।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाएं रद्द करने के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी ▸▸ रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया था। छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शनों और कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने इन परीक्षाओं को रद्द करने का आदेश दिया था। हालांकि, इस फैसले के खिलाफ अदालत पहुंचे अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकारी आदेश पर रोक लगा दी। अदालत के इस रुख के बाद राज्य सरकार की प्रशासनिक कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। झारखंड सरकार द्वारा 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के खिलाफ प्रभावित उम्मीदवारों द्वारा शुरू की गई कानूनी लड़ाई तेज हो गई है।

बांग्लादेश को मिला नया राष्ट्रपति, मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर जीते

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश में राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा आ गया है। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर देश के 23वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें संसद में 255 वोट मिले, जबकि विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को 88 वोट मिले। राष्ट्रपति चुनाव के लिए गुरुवार को संसद भवन में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। मतदान खत्म होते ही वोटों की गिनती शुरू की गई और इसके बाद नतीजे घोषित कर दिए गए। इस चुनाव में कुल 349 सांसदों ने मतदान किया। बांग्लादेश में राष्ट्रपति को जनता सीधे नहीं चुनती, बल्कि संसद के सदस्य राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। संसद में बीएनपी के पास दो-तिहाई बहुमत होने के कारण आलमगीर की जीत पहले से ही लगभग तय मानी जा रही थी।

दिल्ली में 15 से 25 सितंबर तक श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

श्री ऋषभोदय तीर्थ क्षेत्र, ऋषभ विहार, दिल्ली में 15 से 25 सितंबर 2026 तक 10 दिवसीय श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में होगा। प्रतिष्ठाचार्य पं. कमल कुमार कमलाकुर शिविर का निर्देशन करेंगे। इसमें पूजन, अभिषेक, स्वाध्याय, प्रवचन, ध्यान एवं सामूहिक साधना के माध्यम से धार्मिक संस्कार और संयम की प्रेरणा दी जाएगी। आयोजकों ने देशभर के जैन समाज से सपरिवार शामिल होने की अपील की है।

चीन ने कहा- जापान के पास 5500 परमाणु बम बनाने जितना प्लूटोनियम

एजेंसी ▸▸ बीजिंग

चीन ने जापान की परमाणु क्षमता को लेकर चिंता जताई है। रूस में चीन के राजदूत झांग हानहुई ने दावा किया कि जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम है। उनके मुताबिक, इतनी मात्रा से सैद्धांतिक तौर पर करीब 5,500 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। झांग ने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी तास से बातचीत में कहा कि जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को दोबारा प्रोसेस करके उसमें से प्लूटोनियम निकालने की तकनीक भी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि जापान के पास 5,500 परमाणु हथियार हैं। यह चीन की ओर से प्लूटोनियम की मात्रा के आधार पर लगाया गया अनुमान है।

राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष ने मनमानी की : चंपत राय

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद चंपत राय ने गुरुवार को 9 पन्नों का दूसरा लेटर जारी किया। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस अधिकारी नृपेंद्र मिश्र की भूमिका को लेकर कई दावे किए हैं। चंपत राय ने कहा, 'राम मंदिर निर्माण के लिए बने ट्रस्ट में 15 ट्रस्टी थे और नृपेंद्र मिश्र को निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। भवनों के डिजाइन और निर्माण से जुड़े काम के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म का चयन भी किया। चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण समिति में अपनी पसंद के लोगों को शामिल किया। इनमें से कुछ लोग छह साल के दौरान केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए। पूर्व एनबीसीसी चेयरमैन अनूप मित्तल लगातार नृपेंद्र मिश्र के साथ निर्माण समिति की बैठकों में शामिल होते थे।

जंतर-मंतर पर पुलिस कार्यवाही के आरोपों पर

सुप्रीम कोर्ट ने जांच कमेटी बनाई

इसमें रिटायर्ड जज, सीबीआई, पुलिस के पूर्व अफसर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए 5 सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी को बनाया गया है।

इसमें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, उड़ीसा के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान इस कमेटी को बनाने का फैसला लिया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेटगन इस्तेमाल करने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगाए थे। नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर 36 दिन चला था। 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था।

दिल्ली पुलिस ने कहा था- संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था,लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

संख्या देख यंत्रियों को डकार आई

मंदिर में हुए बडे आयोजन के दौरान जमकर श्रद्धालु उमडे थे। संयोग अंतर्गत श्रद्धालुओं के उमड़ने का सिलसिला पूरे 3 दिन निरंतर चलता रहा। लाखों की संख्या में भगवान के दर्शनों को श्रद्धालु आए और शहर में जमकर व्यवसाय चला। ई-रिक्शा वालों ने एक किलोमीटर के 300-500 रूपए तक कमाए हैं। सर्प पूजा वाले दिन तो जमकर कमाई का हाल रहा है। मंदिर में कमाई हुई तो बाहर वालों का कहना था हम भी कमाई करने आए हैं। इस सबसे परे 24 घंटों उपरांत दर्शनों की संख्या का आंकडा जो सामने आया है उसे लेकर पिछले दो दिनों से यंत्रियों को बार-बार डकार आ रही है। उन्हें उल्टी करने का मन करने लगा है। ये एकाध नहीं कुछ ज्यादा जगह के यंत्री हैं । इनमें से एक जगह तो वो है जहां निर्माण की टेस्टिंग कर जांच रिपोर्ट दी जाती है। बात ही बात में वे 12 लाख का जिक्र करने से नहीं चुकते हैं और धीरे से इस पर बातों में सवाल उठाते हैं। लंबाई गुना चौड़ाई का हिसाब बनाते हैं और फिर चौंकाते हैं। ये कैसे संभव हुआ और किस तरह से हुआ। हर फार्मूला यहां आकर फैल हो रहा है। फिर 12 लाख की संख्या पर आते हैं और उन्हें डकार आने लगती है। वे सीधे बोलते हैं 24 घंटे में कुल 86400 सेकंड होते हैं। ब्रिज कुल 91 फीट लंबा और चौड़ाईः 10 फीट - 5 फीट आने, 5 फीट जाने की। इसकी क्षमता के अनुसार एक बार में 400 श्रद्धालु आ सकते हैं। पूल की मजबूती के लिए 5 स्तंभ का सहारा है। अब 12 लाख के लिए पूल की स्थिति को देखते हुए प्रति सेकंड 13 श्रद्धालुओं का दर्शन करना आवश्यक है। जब आने और जाने का रास्ता एक बार में 5-5 यानिकी कुल 10 का ही रास्ता है तो 13 के दर्शन कैसे हो गए। इस सवाल के उपजते ही यंत्रियों ने एक के बाद एक गणितज्ञों के फार्मूला खोले एवं पिछले तीन दिन से हिसाब लगा रहे हैं पर एक भी फामूर्ला के तहत 24 घंटे यानिकी 86400 सेकंड में उक्त स्थान पर 12 लाख के दर्शनों का गणित उनके समक्ष में नहीं आ रहा है। खुसूर-फुसूर है कि बेवजह ही यंत्रियों ने अपना दिमाग खपाया और गणित लगाया। इसमें किसी भी प्रमेय और किसी बीज गणित, अंक गणित की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए दो और दो पांच करने वाला पहाड़ा आना चाहिए वो सिर्फ सत्यवादियों के यहां ही मिल सकता है। यही नहीं विकास के दौर में ही मिल सकता है। टेस्टिंग रिपोर्ट में ही एक समय में 300 से ज्यादा श्रद्धालुओं को नही आने देने की स्थिति स्पष्ट थी तो फिर तो नया सवाल खड़ा हो गया है कि अधिक संख्या को ब्रिज पर लाकर श्रद्धालुओं की जान के साथ खिलवाड़ करने से भी जिम्मेदार नहीं चूके हैं।

नैनो न्यूज

- मुस्लिम बहनों ने भी बांधी राखी, भाई-बहन के प्रेम का दिया संदेश
- 26 अगस्त को निकलेगा मिलादुन्नबी का जुलूस, 27 अगस्त को टंकी चौराहे पर होगा जलसा
- माननीय राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे उज्जैन के छात्र
- क्षीरसागर स्थित तिलक स्मृति मंदिर में संपन्न हुई वार्षिक साधारण सभा, आय-व्यय का लेखा-जोखा सर्वसम्मति से पारित
- निर्मला कॉलेज के छात्र सैनिक आराध्य राष्ट्रीय साइबर डिफेंडर कैंप के लिए चयनित
- संस्कृति की जड़ों से जुड़कर ही संभव है समाज का लोकमंगल
- तिरुपति बालाजी में होने वाले सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन पर सेन समाज ने की चर्चा
- स्वच्छता, संस्कृति का संदेश देकर चिंतामन जवासिया से महाकाल तक निकली भव्य कलश यात्रा

ट्रेंडिंग

माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्णय से जिले के कई बच्चे होंगे लाभांवित

माता-पिता नहीं हैं तो बोर्ड की नामांकन-परीक्षा फीस माफ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

माध्यमिक शिक्षा मंडल इस वर्ष की कक्षा 10वीं, 12वीं, द्वितीय बोर्ड परीक्षा, डीएलएड परीक्षा में माता-पिता को खो चूके विद्यार्थियों से न तो नामांकन की फीस लेगा और न ही परीक्षा का शुल्क ही लेगा। इसे लेकर बोर्ड ने आदेश जारी कर दिए हैं जो जिला शिक्षा अधिकारी के पास पहुंच चुके हैं। जिले में ऐसे कई बच्चे इस निर्णय से लाभांवित होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री के अनुसार ऐसे विद्यार्थियों की जानकारी निकलवाई जा रही है। मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी एस के रेनीवाल के अनुसार आदेश के अनुसार ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग के माध्यम से राहत मिलेगी।

जिन विद्यार्थियों के माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है उनसे माध्यमिक शिक्षा मंडल कोई शुल्क नहीं लेगा। माशिमं ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया कि कई बार देखा गया है कि शुल्क के अभाव में ऐसे कई बच्चे पढ़ाई नहीं कर पाते। इसलिए बोर्ड ने तय किया है कि ऐसे बच्चों से नामांकन और परीक्षा दोनों तरह के शुल्क नहीं लिए जाएंगे। नए आदेश के मुताबिक जिन बच्चों के माता-पिता दोनों का निधन हो गया है उन्हें सत्र 2026-27 से मंडल की परीक्षाओं और नामांकन के लिए किसी तरह का शुल्क नहीं देना होगा। इसमें ऐसे विद्यार्थी भी शामिल किए गए हैं जो माता-पिता की मृत्यु के बाद किसी रिश्तेदार के आश्रय में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं अथवा शासन द्वारा संचालित या मान्यता प्राप्त अनाथालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें शुल्क में पूरी छूट दी जाएगी। यह सुविधा माशिमं की ओर से आयोजित 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा, द्वितीय बोर्ड परीक्षा, डीएलएड जैसी परीक्षाओं और नामांकन पर लागू होगी।

निर्णय से ऐसे विद्यार्थी न तो परीक्षा देने से वंचित रहेंगे न शिक्षा से

दस्तावेज के आधार पर पात्रता

शुल्क माफी का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को बोर्ड का नामांकन अथवा परीक्षा फॉर्म भरते समय माता और पिता दोनों के मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे। इसके साथ ही जिस रिश्तेदार सरकारी अनाथालय या मान्यता प्राप्त संस्था में विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहा है, वहां से संबंधित प्रमाण-पत्र भी देना अनिवार्य होगा। तय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर विद्यार्थी शुल्क छूट का पात्र नहीं माना जाएगा।

नामांकन एवं फीस में शुल्क वृद्धि

माशिमं ने इस बार 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा का शुल्क 1200 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किया है। वहीं नामांकन शुल्क भी 300 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए किया गया है। वहीं डीएलएड परीक्षा शुल्क 7000, डीएलएड परीक्षा द्वितीय अवसर के दो विषय के लिए 3000 रुपए, चार विषय के लिए 5000 रुपए और चार से अधिक विषय के लिए 7000 रुपए शुल्क लगेगा। ऐसे में अनाथ विद्यार्थियों को इन शुल्कों से पूरी तरह छूट मिलने से उनके परिवार या आश्रयदाताओं पर आर्थिक बोझ कम होगा।

उद्देश्य पढ़ाई प्रभावित न हो

क्षेत्रीय अधिकारी रेनीवाल के अनुसार माशिमं के इस फैसले का उद्देश्य माता-पिता को खो चुके विद्यार्थियों की शिक्षा को आर्थिक कारणों से प्रभावित होने से रोकना है। परीक्षा और नामांकन शुल्क माफ होने से ऐसे बच्चों पर पढ़ाई का आर्थिक बोझ कम होगा। उन्हें पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी।

28 अगस्त को मनेगा रक्षाबंधन

सुबह 9.48 बजे तक राखी बांधने का शुभ मुहूर्त, चंद्र ग्रहण भी रहेगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। पूर्णिमा तिथि दो दिन रहने के कारण 27 और 28 अगस्त को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन उदयातिथि के आधार पर 28 अगस्त को ही रक्षाबंधन मनाना शुभ माना जा रहा है।

27 अगस्त को शुरू होगी पूर्णिमा- पंचांग के अनुसार श्रावण शुक्ल पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त की सुबह करीब 9.08 बजे शुरू होगी और 28 अगस्त की सुबह 9.48 बजे तक रहेगी। चूंकि 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा विद्यमान रहेगी, इसलिए इसी दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा।

सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक राखी बांधना शुभ- इस वर्ष राखी बांधने के लिए सुबह का समय विशेष शुभ बताया गया है। 28 अगस्त को सुबह 5.57 बजे से 9.48 बजे तक राखी बांधी जा सकेगी। इस अवधि में भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा, इसलिए बहनें भाई की कलाई पर राखी बांध सकती हैं। चौघड़िया के अनुसार सुबह के समय भी अलग-अलग शुभ अवधि बताई गई है। उपलब्ध पंचांग गणना के अनुसार सुबह 5.57 से 7.33 बजे तक चर-सामान्य, 7.33 से 9.10 बजे तक लाभ-उन्नति और 9.10 से 10.46 बजे तक अमृत-सर्वोत्तम समय बताया गया है। हालांकि पूर्णिमा तिथि 9.48 बजे समाप्त हो रही है, इसलिए रक्षाबंधन संस्कार के लिए 9.48 बजे तक का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

भद्रा को लेकर नहीं रहेगा संशय

रक्षाबंधन पर भद्रा में राखी बांधना परंपरागत रूप से वर्जित माना जाता है। इस बार उपलब्ध पंचांग गणनाओं के अनुसार भद्रा सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी, इसलिए 28 अगस्त की सुबह राखी बांधने के लिए भद्रा बाधा नहीं बनेगी।

इस बार सुबह ही राखी बांधने पर जोर

रक्षाबंधन की तिथि को लेकर भले ही 27 और 28 अगस्त के बीच भ्रम रहा हो, लेकिन अधिकांश पंचांग गणनाएं 28 अगस्त को पर्व मनाने पर सहमत हैं। खास बात यह है कि इस बार सुबह ही राखी बांधने का अच्छा अवसर उपलब्ध है। इसलिए परिवारों के लिए बेहतर रहेगा कि वे 28 अगस्त की सुबह 9.48 बजे से पहले राखी बांधने की तैयारी पूरी कर लें।

रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का संयोग

इस बार रक्षाबंधन के दिन एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना भी होगी। 28 अगस्त को चंद्र ग्रहण पड़ने की जानकारी सामने आई है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार भारत में ग्रहण का समय सुबह करीब 8 बजे से 9.43 बजे तक बताया गया है। इसी कारण रक्षाबंधन के शुभ मुहूर्त को लेकर विशेष चर्चा है। हालांकि ग्रहण और उसके सूतक को लेकर धार्मिक परंपराओं तथा अलग-अलग पंचांगों में मतभेद हो सकते हैं। इसलिए स्थानीय मान्यता के अनुसार निर्णय लेना उचित रहेगा। खासकर उज्जैन जैसे धार्मिक नगर में स्थानीय पंचांग और विद्वान ज्योतिषाचार्य द्वारा बताए गए समय को प्राथमिकता देना बेहतर होगा।

कैसे करें राखी का पूजन

रक्षाबंधन के दिन बहन स्नान आदि से निवृत्त होकर पूजा की थाली तैयार करती है। थाली में रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई, राखी और आरती की सामग्री रखी जाती है। भाई को आसन पर बैठाकर पहले तिलक लगाया जाता है, फिर अक्षत लगाकर आरती की जाती है और अंत में दाहिनी कलाई पर राखी बांधी जाती है। इसके बाद भाई बहन को अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार देकर उसकी रक्षा और सम्मान का संकल्प लेता है।

सीएम यादव ने किया 945 करोड़ के एलिवेटेड ब्रिज का भूमिपूजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बुधवार शाम उज्जैन गृह नगर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन को एलिवेटेड ब्रिज की सौगात दी है। उन्होंनें उज्जैन शहर में बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर (इंदिनगर चौराहा से नीलगंगा चौराहा तक एवं निकास चौराहा से इंदौर गेट तक) - कुल लंबाई 5.30 कि.मी. का भूमिपूजन किया। ब्रिज की लागत 945.20 करोड़ है।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत होमगार्ड द्वारा कालिदास एकेडमी में प्रदर्शित किए गए आपदा प्रबंधन उपकरणों एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले आधुनिक संसाधनों का अवलोकन किया। इस दौरान होमगार्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विभिन्न आपदा प्रबंधन यंत्रों की कार्यप्रणाली एवं उनके उपयोग की जानकारी दी। इन उपकरणों का उपयोग बाढ़, आगजनी, भवन दुर्घटना, सड़क हादसे तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों के दौरान किया जाता है। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों एवं जवानों के प्रयासों की सराहना की।

इससे पूर्व पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, अध्यक्ष उज्जैन विकास प्राधिकरण रवि सोलंकी, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, अध्यक्ष महापौर मुकेश टटवाल, संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी ने उपस्थित होकर उनका स्वागत किया।

खुले में कचरा फेंकने पर होटल संचालक पर लगाया जुर्माना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने चालानी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को वार्ड क्र. 33 में बड़ा गणेश मंदिर के समीप स्थित गली में खुले में कचरा फेंकने पर होटल कर्मा पैलेस के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को उक्त क्षेत्र में खुले में कचरा फेंके जाने की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद विभाग की टीम ने मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान होटल संचालक द्वारा खुले में कचरा फेंका जाना पाए जाने पर निगम ने नियमानुसार चालानी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी कालूराम सोलंकी और स्वच्छता निरीक्षक मनीष पांडे द्वारा की गई। कार्रवाई के दौरान संबंधित को समझाइश देते हुए भविष्य में सार्वजनिक स्थान पर कचरा नहीं फेंकने और कचरे का उचित तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम द्वारा शहरवासियों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से लगातार अपील की जा रही है कि कचरा खुले में न फेंकें और निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालें। निगम का कहना है कि उज्जैन धार्मिक और पर्यटन नगरी है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

महाकाल लोक के फुड जोन में नेमा कुल्फी सेंटर पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

गंदगी और चूहे मिलने पर लाइसेंस निलंबित

फालूदा-कुल्फी के नमूने जांच के लिए भेजे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण मास में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। इसी बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं कलेक्टर उज्जैन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बाजार में बिक रहे दूध एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत 19 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर जांच और नमूना कार्रवाई की। महाकाल लोक स्थित नेमा कुल्फी फालूदा, शॉप नंबर-2, मिडवे शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी अनियमितताएं पाए जाने पर विभाग ने प्रतिष्ठान को नोटिस जारी करते हुए खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मौके पर खाद्य व्यवसाय भी बंद करवाया गया।

स्टोरेज एरिया में गंदगी, चूहों की मौजूदगी मिली- निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के स्टोरेज एरिया में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। विभागीय टीम को वहां गंदगी के साथ चूहों की मौजूदगी भी मिली। खाद्य सामग्री के भंडारण वाले स्थान पर इस प्रकार की स्थिति सामने आने से खाद्य पदार्थों के दूषित होने की आशंका को लेकर विभाग ने गंभीरता दिखाई और कार्रवाई की।

फालूदा और केसर-पिस्ता कुल्फी के नमूने लिए

खाद्य सुरक्षा विभाग ने नेमा कुल्फी फालूदा से फालूदा सेवइया और केसर-पिस्ता कुल्फी के नमूने लिए। इन नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने

अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने अन्य प्रतिष्ठानों से भी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। महादेव बाटी भंडार, देवास गेट बस स्टैंड से तुअर दाल और बाटी के नमूने लिए गए। वहीं सपना स्वीट्स, रेलवे स्टेशन उज्जैन से मलाई बर्फी और काजू कतली के नमूने लिए गए।

प्रतिबंध के बावजूद भीड़भाड़ में दौड़ रहीं यात्री व स्कूल बसें

शहर में किसी रोज हो सकता है हादसा, ट्रैफिक पुलिस को मिले ऑन-द-स्पॉट कार्रवाई के अधिकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में तेज रफ्तार और अनियंत्रित गति से दौड़ रही यात्री एवं स्कूल बसें कभी भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती हैं। उज्जैन-इंदौर की कई यात्री बसें प्रतिबंध के बावजूद नानाखेड़ा से आकर तीन बत्ती चौराहे से होकर भीड़भाड़ वाले मार्ग से देवास गेट तक पहुंच रही हैं।

फ्रीगंज से चामुंडा माता मार्ग पर घंटाघर से ही यातायात का दबाव बढ़ जाता है। ई-रिक्शा, ऑटो, बाइक और कारों की भीड़ के बीच यात्री एवं स्कूल बसें निकलती हैं। कई बस चालक तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न बजाते हुए भीड़भाड़ में वाहन दौड़ाते हैं, जिससे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए खतरा बना रहता है।

अतिरिक्त पुलिस बल को दिया जाए विशेष प्रशिक्षण

यातायात नियंत्रित करने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। सुझाव है कि इन पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित कर भीड़भाड़ वाले मार्गों और प्रतिबंधित क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी जाए। साथ ही उन्हें नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई करने के पर्याप्त अधिकार दिए जाएं। यात्री और स्कूल बसों की तेज गति, प्रतिबंधित मार्ग पर संचालन और प्रेशर हॉर्न के इस्तेमाल पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था हो। पुलिसकर्मियों को आवश्यक अधिकार मिलने से नियम तोड़ने वालों पर मौके पर ही प्रभावी कार्रवाई हो सकेगी और भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सकेगा।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

इंदौर जिले में जन-विश्वास शिविर आज शुक्रवार को

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत 20 अगस्त को विधानसभा क्षेत्र सांवेर के लसुड़िया परमार के पंचायत भवन में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। जन-विश्वास शिविर में इंदौर से अधिकारियों का दल सुबह साढ़े आठ बजे सांवेर के लिए रवाना होंगे। शिविर में बुढ़ी बरलाई, पीरकराड़िया, पुर्वाड़ाहप्पा, पुवार्डादाई, बरलई जागीर, मकोडिया, मांगलिया सड़क, सुल्लाखेड़ी, रामपिपल्या, ढ़ाबली, डकाच्या, पलासिया, मण्डलावदा, लसुडिया परमार के नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण किया जाएगा शिविर के दौरान जिला प्रशासन, जिला पंचायत एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र की शासकीय संस्थाओं एवं आधारभूत सुविधाओं का मैदानी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति देखी जाएगी। अभियान के अंतर्गत जनसंवाद के माध्यम से नागरिकों की समस्याएं सुनी जाएंगी।

क्षेत्र और आसपास के सैकड़ों युवाओं को मिला रोजगार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास और आत्मनिर्भरता के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2014 के पहले के भारत और उसके बाद के भारत में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। आज भारत का नवीन स्वरूप पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। मध्यप्रदेश भी इसी विकास यात्रा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित 2 आधुनिक औद्योगिक इकाइयों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से प्रारंभ हुई नई औद्योगिक इकाइयां विकास और समृद्धि की नई धारा को आगे बढ़ाएंगी।

प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि 21 से 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। इस चरण में विद्यार्थियों को उपलब्ध रिक्त सीटों पर ₹पहले आओ, पहले पाओ₹ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर निर्धारित अवधि में प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि पात्र विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया समय-सीमा में पूर्ण कराते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराएं।

एकलव्य विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए

इंदौर। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की सचिव रंजना चोपड़ा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक संभागायुक्त कार्यालय इंदौर में सम्पन्न हुई। बैठक में दोनों अभियानों के अंतर्गत संभाग के जनजातीय क्षेत्रों में संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। सचिव श्रीमती रंजना चोपड़ा ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज की बड़ी आबादी निवास करती है। इसलिए जनजातीय वर्ग के लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार एवं कैरियर विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड निर्धारित समय-सीमा में बनाए जाएं तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

नैनो न्यूज

- **देवास – तिरंगा यात्रा में मधुमक्खियों का हमला:** देवास के ग्राम राला मंडल क्षेत्र में तिरंगा यात्रा के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिससे कई लोग प्रभावित हुए।
- **रतलाम – मंडी में प्याज की बंपर आवक:** रतलाम मंडी में प्याज की बंपर आवक से महू-नीमच रोड पर यातायात प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बनी।
- **मंदसौर – मुफ्त किताबों पर छात्रों का प्रदर्शन:** मंदसौर में त्रैमासिक परीक्षा नजदीक आने के बावजूद मुफ्त किताबें नहीं मिलने पर एबीवीपी और छात्रों ने प्रदर्शन किया।
- **नीमच – अस्पताल व्यवस्था फिर सवालों में:** नीमच की ताजा खबरों में प्रसव पीड़ा से परेशान महिला को अस्पताल से बाहर निकालने के बाद सड़क पर प्रसव होने का मामला सामने आया।
- **शाजापुर – बारिश से मौसम सक्रिय:** शाजापुर समेत पश्चिमी मध्यप्रदेश में मानसून सक्रिय है। जिले में आगामी दिनों में तेज बारिश की संभावना के चलते प्रशासन को सतर्कता की जरूरत है।
- **आगर-मालवा – बारिश का असर जारी:** आगर-मालवा में भी मानसून की गतिविधियां जारी हैं। मौसम विभाग ने पश्चिमी मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

वरिष्ठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां मिलने से सरकार में था स्पष्ट राजनीतिक नेतृत्व, अब मुख्यमंत्री के पास कई महत्वपूर्ण विभाग

शिवराज सरकार में बंटा था काम, मुख्यमंत्री के पास कई महत्वपूर्ण विभाग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश की मौजूदा सरकार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी होने को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बहस तेज हो गई है। सवाल यह है कि जब भाजपा में अनुभवी और वरिष्ठ नेताओं की बड़ी टीम मौजूद है, तो महत्वपूर्ण मंत्रालयों का अधिक विकेंद्रीकरण क्यों नहीं किया जा रहा।

मोहन यादव सरकार के शुरूआती विभागीय बंटवारे में मुख्यमंत्री ने सामान्य प्रशासन, गृह, जेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबंधन और प्रवासी भारतीय विभाग सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपने पास रखी थीं। साथ ही जो विभाग किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं थे, वे भी मुख्यमंत्री के पास थे। इसके मुकाबले शिवराज सिंह चौहान के लंबे कार्यकाल के अंतिम दौर में सरकार में कई वरिष्ठ नेताओं के बीच महत्वपूर्ण विभागों का स्पष्ट बंटवारा था। विजय शाह जैसे वरिष्ठ नेता पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जनजातीय कार्य, वन और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग महत्वपूर्ण मंत्रालय देकर सरकार के कामकाज को व्यापक राजनीतिक नेतृत्व मिला था। मुख्यमंत्री पद को लेकर समय-समय पर सामने आने वाली चचाओं को भी इसी राजनीतिक वातावरण से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन ऐसी चचाओं का बार-बार सामने आना यह संकेत जरूर देता है कि सरकार के भीतर जिम्मेदारियों के बंटवारे और नेतृत्व शैली को लेकर राजनीतिक चर्चा जारी है। अब सवाल यह है कि क्या मोहन सरकार मुख्यमंत्री के पास मौजूद कुछ महत्वपूर्ण विभाग वरिष्ठ और अनुभवी भाजपा नेताओं को सौंपकर सरकार के कामकाज को और अधिक विकेंद्रीकृत करेगी?

मोहन सरकार में मुख्यमंत्री पर बढ़ती जिम्मेदारियां

वर्तमान कार्यकाल में विभागीय जिम्मेदारियों का केंद्रीकरण लगातार चर्चा में रहा है। जुलाई 2026 में प्रदर्शन समीक्षा के बाद पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग भी मुख्यमंत्री ने अपने पास ले लिया। मुख्यमंत्री को सरकार की समग्र निगरानी के साथ गृह, प्रशासन, निवेश, खनिज, जनसंपर्क सहित अनेक क्षेत्रों पर नजर रखनी पड़ती है। इसके अलावा राजनीतिक, संगठनात्मक और प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों की व्यस्तता अलग है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इतने बड़े विभागीय दायित्वों के बीच प्रत्येक मंत्रालय को अपेक्षित समय और नियमित निगरानी मिल पा रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को और जिम्मेदारी देने की मांग

राजनीतिक हलकों में यह सवाल भी उठ रहा है कि भाजपा के पास ऐसे कई नेता हैं, जिन्हें प्रशासन और संगठन का लंबा अनुभव है। यदि उन्हें अतिरिक्त मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी जाती है तो मुख्यमंत्री का बोझ कम हो सकता है और विभागीय निर्णय प्रक्रिया को भी गति मिल सकती है। यह मुद्दा केवल जनसंपर्क विभाग तक सीमित नहीं है। गृह, प्रशासन, निवेश, खनिज, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, पशुपालन सहित मुख्यमंत्री के पास मौजूद तमाम विभागों को लेकर यह बहस है कि क्या जिम्मेदारियों का और बेहतर बंटवारा किया जाना चाहिए।

विभागों के बंटवारे से राजनीतिक संदेश भी

सरकार में विभागों का वितरण केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं बल्कि राजनीतिक संदेश भी होता है। वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपने से पार्टी के भीतर उनकी भूमिका स्पष्ट होती है और संगठन के अनुभवी चेहरों का सरकार में उपयोग भी बढ़ता है। इसीलिए राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि यदि मुख्यमंत्री के पास विभागों का बोझ कम किया जाता है और वरिष्ठ नेताओं को नई जिम्मेदारियां मिलती हैं तो इससे सरकार की कार्यक्षमता के साथ-साथ भाजपा के अंदर का संतुलन भी बेहतर हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

उज्जैन में एच1 एन1 से पीड़ित महिला की मौत

31 जुलाई को एच1 एन1 पॉजिटिव आई थी रिपोर्ट, इंदौर में उपचार के दौरान 60 वर्षीय सरोज नागर ने तोड़ा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है। ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी 60 वर्षीय सरोज नागर की इंदौर के कोकिलाबेन अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की ल्1ठ1 रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद कई दिनों तक उपचार चला, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो सका। इस घटना को मध्यप्रदेश में इस सीजन में एच1एन1 से हुई पहली मौत बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार सरोज नागर की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उज्जैन के अवंती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान उनके सैंपल में इन्फ्लुएंजा-ए तथा 2009 एच1एन1 वायरस की पुष्टि हुई। इसके बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें इंदौर रेफर किया गया, जहां कोकिलाबेन अस्पताल में उनका उपचार जारी रहा। करीब दो से तीन सप्ताह के उपचार के बाद बुधवार को उनकी मौत हो गई।

महिला में एच1एन1 संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीम ने वार्ड क्रमांक 49 में उनके घर के आसपास सर्वे कराया था। विभाग के अनुसार आसपास के करीब 28 घरों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई और किसी अन्य व्यक्ति में स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण नहीं पाए गए। हालांकि, अब महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि परिवार के सदस्यों की विधिवत स्क्रीनिंग नहीं कराई गई। उनके अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से परिवार के सदस्यों की सूची तो तैयार कराई गई, लेकिन परिवार के सदस्यों और महिला के संपर्क में आए लोगों की जांच नहीं की गई।

मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं

मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के बयानों को लेकर भी स्थिति चर्चा में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल ने महिला की मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि के लिए इंदौर के अस्पताल से जानकारी लेने की बात कही है। दूसरी ओर, महिला की एच1एन1 पॉजिटिव रिपोर्ट परिजनों के पास मौजूद होने की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब मरीज की जांच में एच1एन1 संक्रमण की पुष्टि हो चुकी थी और लंबे समय तक उसका उपचार भी चला, तो मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग के स्तर पर आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करने में देरी क्यों हो रही है।

अब उठ रहे हैं ये सवाल- सरोज नागर की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल सामने हैं—क्या संक्रमित मरीज के परिवार की पर्याप्त स्क्रीनिंग हुई? महिला के संपर्क में आए लोगों की पहचान और निगरानी कितनी प्रभावी रही? संक्रमण की पुष्टि के बाद क्षेत्र में लोगों को आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई या नहीं? और सबसे महत्वपूर्ण, मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि में देरी क्यों हुई? स्वास्थ्य विभाग की ओर से मामले की विस्तृत जानकारी और आधिकारिक स्थिति सामने आने के बाद ही इन सवालों का स्पष्ट जवाब मिल सकेगा।

मुस्लिम समुदाय ने सौंपे राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

यूसीसी के खिलाफ मध्यप्रदेश में शक्ति प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विरोध में मध्यप्रदेश में मुस्लिम समुदाय ने एक साथ आवाज बुलंद की। विधायक आरिफ मसूद के आह्वान पर प्रदेश के करीब 50 जिला मुख्यालयों पर समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर यूसीसी को वापस लेने की मांग की। कई जगह महिलाओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। राजधानी भोपाल में 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर समान नागरिक संहिता का विरोध दर्ज कराया। आरिफ मसूद ने कहा कि यूसीसी के खिलाफ विरोध केवल ज्ञापन तक सीमित नहीं रहेगा। आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे और सरकार से यूसीसी को वापस लेने की मांग जारी रहेगी। विधायक आरिफ मसूद ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि यूसीसी के खिलाफ आंदोलन का यह पहला चरण है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में मुस्लिम समुदाय के लोग जिला मुख्यालय पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

इंदौर में हुए 100 करोड़ के घोटाले में 32 आरोपी बनाए

ड्रेनेज घोटाले में ईडी ने किया चालान पेश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के चर्चित 100 करोड़ रुपये के ड्रेनेज लाइन घोटाले में ईडी ने कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। इस घोटाले में ईडी ने 32 आरोपियों को बनाया है, जिनमें इंजीनियर, लेखा विभाग के कर्मचारी और ठेकेदार शामिल हैं। उधर, जेल में बंद दो आरोपियों ने जमानत के लिए अर्जी लगाई थी, जिसे खारिज कर दिया गया है। पेश किए गए चालान में चीफ इंजीनियर अभय राठौर को मुख्य आरोपी बनाया गया है। बगैर काम किए फाइल मंजूर करने और लेखा विभाग के कर्मचारियों की मदद से बिल मंजूर कराने के खेल में अभय माहिर था।

चार साल में 100 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों की फर्जी फाइल तैयार कर लेखा विभाग में बिल भुगतान के लिए भेजे गए थे। जब इसकी शिकायत बड़े अफसरों के कानों तक पहुंची तो जांच शुरू हुई। इस बीच घोटाले की फाइलें नगर निगम के एक अधिकारी की कार से गायब हो गईं। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर घोटाले की परतें खुलती चली गईं। बाद में इस केस में ईडी की एंट्री हुई और उसने आरोपियों की संपत्तियां अटैच करना शुरू कीं। ईडी ने जो चालान कोर्ट में पेश किया है, वह 20 हजार पेज से ज्यादा का है और 32 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

ईडी ने पिछले साल अगस्त में आरोपियों के ठिकानों पर छापे मारकर 200 करोड़ रुपये की संपत्ति, खाते और लॉकर फ्रीज किए थे और फिर संपत्तियां अटैच करना शुरू कीं। अब तक कुल 59 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां जब्त की गई हैं। घोटाले के मुख्य आरोपी अभय राठौर का कहना है कि उसका घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है। वह तो लंबे समय तक निलंबित था, लेकिन जैसे ही बहाल हुआ, उसे इस घोटाले में फंसा दिया गया। जिन फाइलों पर भुगतान हुआ, उन पर वरिष्ठ अफसरों के हस्ताक्षर थे। ईडी अब कोर्ट में आरोपों को साबित करेगा। फिलहाल इस घोटाले के तीन आरोपी जेल में बंद हैं।

यह है फर्जी बिल घोटाला

आरोपितों ने नगर निगम में फर्जी टेंडर तैयार किए। कागज पर फर्जी काम बताया गया। जाली वर्क आर्डर और फर्जी बिल भी बनाए। झूठे कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए और निगम से 103 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्राप्त कर लिया। जांच में यह बात सामने आई थी कि कई काम कभी किए ही नहीं गए। कुछ काम पहले ही पूरे हो चुके थे। इसके बावजूद उन्हीं कामों के नाम पर भुगतान हुआ।

इंदौर जिले में पीओपी एवं रासायनिक पदार्थों से मूर्ति निर्माण पर प्रतिबंध

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर जिले में मूर्ति निर्माण एवं विसर्जन से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम तथा जन-सामान्य के स्वास्थ्य और लोक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत इंदौर जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होकर 18 अक्टूबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के अनुसार मूर्ति एवं प्रतिमाओं के निर्माण में केवल प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जा सकेगा। मूर्ति निर्माण के लिए परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाना अनिवार्य किया गया है।

वार्ड 6 में 40 लाख की लागत से पुलिया निर्माण का भूमिपूजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नलखेड़ा

नगर परिषद नलखेड़ा द्वारा वार्ड क्रमांक 06 में खाल पुलिया निर्माण कार्य का आज विधिवत भूमिपूजन किया गया। पुलिया का निर्माण 40 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

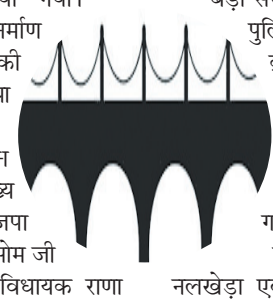

भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष ओम जी मालवीय, पूर्व विधायक राणा विक्रम सिंह जी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप सकलेचा जी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय जी सोनी एवं नगर परिषद सीएमओ श्रीमती मिनी अग्रवाल जी उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक 06 की पार्षद श्रीमती आशा मनोज गायरी जी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद के सभी पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं वार्ड सहित नगर नलखेड़ा के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पुलिया निर्माण से वार्ड क्रमांक 06 के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

इस अवसर पर नगर नलखेड़ा एवं वार्ड क्रमांक 06 की जनता ने पुलिया निर्माण कार्य स्वीकृत कराने एवं विकास कार्य की सौगात देने के लिए नगर परिषद नलखेड़ा तथा वार्ड क्रमांक 06 की पार्षद श्रीमती आशा मनोज गायरी का आभार व्यक्त किया

पत्रकार संगठनों की बढ़ती परेशानी से उठे सवाल

जनसंपर्क विभाग को पूर्णकालिक मंत्री की दरकार, मुख्यमंत्री पर कई विभागों का बोझ

भाजपा में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं मिलने से उठने लगे सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में जनसंपर्क विभाग को पूर्णकालिक राजनीतिक नेतृत्व दिए जाने की मांग अब केवल पत्रकारों तक सीमित नहीं रह गई है। विभिन्न पत्रकार संगठन भी अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर लगातार परेशानियों का सामना कर रहे हैं। संगठनों का कहना है कि उनकी बात सुनने और सरकार के समक्ष प्रभावी तरीके से रखने के लिए जिम्मेदार राजनीतिक स्तर पर स्थायी व्यवस्था होना जरूरी है।

वर्तमान व्यवस्था में मुख्यमंत्री के पास पहले से कई महत्वपूर्ण विभागों और जिम्मेदारियों का दायित्व है। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा करना कि वे पत्रकारों, संपादकों और मीडिया संगठनों की प्रत्येक समस्या के लिए नियमित रूप से समय निकाल सकें, व्यावहारिक नहीं माना जा रहा है। दूसरी ओर जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के पास भी अनेक महत्वपूर्ण दायित्व हैं। ऐसे में पत्रकारों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि जब कोई गंभीर समस्या सामने आए तो अपनी बात आखिर किसके समक्ष रखी जाए।

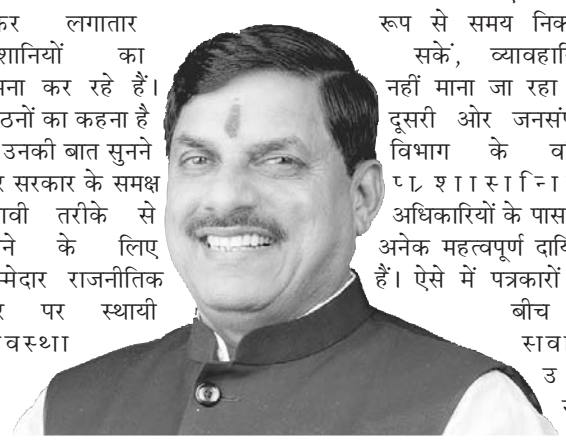

प्रदेश के पत्रकार संगठन समय-समय पर अधिमान्यता, विज्ञापन नीति, पत्रकार सुरक्षा, छोटे और मध्यम समाचार पत्रों की समस्याओं, आर्थिक कठिनाइयों तथा अन्य मुद्दों को लेकर सरकार के समक्ष अपनी बात रखते रहे हैं। लेकिन राजनीतिक स्तर पर नियमित संवाद का अभाव होने से कई मांगों के समाधान में अपेक्षित गति नहीं आ पाती। मीडिया जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि जनसंपर्क विभाग केवल सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तक सीमित विभाग नहीं है। यह सरकार और पत्रकारिता जगत के बीच संवाद का महत्वपूर्ण सेतु भी है। इसलिए विभाग के पास पूर्णकालिक राजनीतिक नेतृत्व होना आवश्यक है।

भाजपा में अनुभवी नेताओं की कमी नहीं

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि भाजपा के पास प्रदेश में कई वरिष्ठ, अनुभवी और संगठनात्मक रूप से मजबूत नेता मौजूद हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसे में जनसंपर्क जैसे संवेदनशील विभाग का राजनीतिक नेतृत्व लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पास रहने को लेकर पार्टी के भीतर भी सवाल उठने लगे हैं। भाजपा के अंदर यह भावना भी बताई जा रही है कि वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारियां देकर उनका अनुभव सरकार के कामकाज में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। लगातार बढ़ती प्रशासनिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों के बीच मुख्यमंत्री के पास अतिरिक्त विभाग रहने से कार्यकताओं और नेताओं के बीच भी असंतोष की स्थिति बनने की चचाएं हैं।

अब फैसला संगठन और सरकार को करना है

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी किसी अनुभवी भाजपा नेता को सौंपी जाती है तो इससे दोहरा लाभ हो सकता है। एक ओर मुख्यमंत्री के विभागीय दायित्वों का बोझ कम होगा, वहीं दूसरी ओर पत्रकारों, संपादकों और मीडिया संगठनों के लिए संवाद का एक स्पष्ट राजनीतिक मंच उपलब्ध होगा। अब निगाहें सरकार और भाजपा संगठन के अगले फैसले पर हैं। सवाल सिर्फ जनसंपर्क विभाग में मंत्री की नियुक्ति का नहीं, बल्कि सरकार, भाजपा संगठन और मीडिया के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने का भी है।

मन का रचा सब खेल

किसी साधक ने सवाल किया है कि क्या वाकई यह जगत स्वप्न से अधिक कुछ नहीं है? स्वप्न जब तक रहे, तब तक उसे सत्य मानने में क्या गलती है? आप पूर्णतया असंभव घटना स्वप्न में देखते ही हो। उदाहरण के लिए, आप किसी मृत व्यक्ति से आनंद से बात करते हो और शायद संदेह भी करते हो कि क्या यह तो मर नहीं गया था? तब भी किसी तरह आपके मन का स्वप्न दृश्य से पूरा मेल हो जाता है और वह व्यक्ति स्वप्न-प्रयोजन की दृष्टि से जीवित ही लगता है। अर्थात स्वप्न, स्वप्न की हैसियत से आपको उसकी सत्यता के बारे में संदेह करने की गुंजाइश नहीं रहने देता।

जाग्रत में भी ऐसा ही होता है। जब तक आप जाग्रत अवस्था में रहें, तब तक जिसे आप देखते हैं, उस जगत की सत्यता के विषय में संदेह करने के लिए आप समर्थ नहीं हैं। जिसने स्वयं जगत की सृष्टि की है, वह मन उसकी असत्यता का स्वीकार कैसे कर सकता है? जाग्रत एवं स्वप्न के जगत की तुलना करने का यही हेतु है। दोनों मन की सृष्टि है और जब तक मन उनमें से किसी एक में लीन रहता है, तब तक वह उसकी असत्यता को स्वीकार करने में अपने आपको असमर्थ पाता है। वह स्वप्न जगत की सत्यता का इनकार स्वप्न के दौरान नहीं कर सकता। वैसे ही, जब तक वह जाग्रत अवस्था में होता है। इसके विपरीत, यदि आप अपने मन को जगत से पूर्णतया वापस खींच लें, उसे भीतर की ओर मोड़ें और वहीं रहें, अर्थात यदि आप इन सब अनुभवों के अधिष्ठान-रूप आत्मा के प्रति सदा जागरूक रहें, तो जिस जगत के विषय में आप इस समय सभान हैं, उसे आप स्वप्न में देखे हुए जगत जैसा असत्य पाएंगे। स्वप्न जगत की विसंगतियों के विषय में सारे तर्क सिर्फ इस समय, जब आप जाग्रत में हैं, खड़े होते हैं। जब तक आप स्वप्न में होते हैं, तब तक स्वप्न एक संगठित इकाई होता है, अर्थात यदि आपको स्वप्न में प्यास लगती है, तो आपकी वह भ्रामक प्यास, भ्रामक जल को, भ्रामक पीने की क्रिया से शांत होती है; मगर यह सब उस समय आपके लिए सत्य था, भ्रम नहीं, जब तक कि आप यह नहीं जानते कि वह पूरा स्वप्न ही भ्रम था। जाग्रत के विश्व के विषय में भी ऐसा ही है। जो संवेदनाएं आपको अभी हो रही हैं, वे एकसूत्रता से मेल बिठाकर आप पर ऐसा प्रभाव डाल रही हैं कि आपको जगत सत्य लगता है।

इसके विपरीत यदि विश्व स्वयंभू सत्ता, यानी स्वतंत्र सत्य होता, अर्थात अभी आपने जिसे जगत की वास्तविक सत्ता कहा, उससे युक्त होता, तो नींद में आपके समक्ष उपस्थित होने से उसे कौन रोकता है? आप यह तो नहीं कहते कि आपकी नींद के दौरान आपका अस्तित्व नहीं था।

सम्पादकीय

प्रदर्शनों का पैगाम

शासन-प्रशासन की छोटी-बड़ी कमियों के विरोध में देश भर में विरोध-प्रदर्शनों का माहौल बनना चिंता की बात है। दोराय नहीं कि जंतर मंतर पर हुए आंदोलन से प्रेरित प्रदर्शनों की बाढ़ आई हुई है। स्वाभाविक है, छात्रों की नाराजगी को भुनाने में राजनीति भी पीछे नहीं रह सकती। बुधवार को देश में सबसे बड़ा सरकार विरोधी प्रदर्शन पटना में हुआ है, जिसका नेतृत्व बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने किया। वर्षों बाद राजद सड़क पर ऐसे मार्च के लिए उतरी है, तो इससे बिहार की राजनीति गरमा गई है। इस प्रदर्शन के पीछे प्रमुख मुद्दा है, बिहार के सिवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 राइफल का इस्तेमाल। सनद रहे, खुद बिहार सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया है कि भीड़ में फंसने के बाद एक पुलिस कांस्टेबल ने एके-47 से हवा में चार गोलियां चलाई थीं, कोई घायल नहीं हुआ। कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया, पर अब मांग है कि एके-47 चलाने का आदेश देने वालों को निलंबित किया जाए। अब प्रशासन के लिए बेहतर यही होगा कि वह शिकायतों को दूर करने की दिशा में तेज कदमों से बढ़े, ताकि आंदोलन की जरूरत न रहे।

पटना में हुए राजनीतिक प्रदर्शन से अलग जिस तरह के प्रदर्शन देश के अनेक स्कूलों में हुए हैं, उनकी ओर भी सबका ध्यान जा रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक सरकारी आवासीय विद्यालय के सैकड़ों छात्रों ने बुधवार को कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाले भोजन, अपर्याप्त पेयजल, शिक्षकों की कमी और प्रधानाचार्य के व्यवहार के विरोध में प्रदर्शन किया। वैसे, हाल के हफ्तों में फतेहपुर, हमीरपुर और कन्नौज सहित कई जिलों में ऐसे प्रदर्शन हुए हैं, जिन पर जिम्मेदार प्रशासन को तत्काल ध्यान देना चाहिए। छात्रों की तकलीफों को पूरी संवेदना से समझने की जरूरत है। सराहना करनी चाहिए कि उन्नाव में जिला मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय पहुंचकर छात्रों को समझाया और उनके साथ नाश्ता किया। छात्रों को आश्वस्त किया गया, तब विरोध-प्रदर्शन समाप्त हुआ। वैसे, भारत के ज्यादातर विद्यालयों में ऐसी कमियां पाई जाती हैं, जिनका समाधान स्थानीय स्तर पर आसानी से किया जा सकता है। अनेक राज्यों में हो रहे ऐसे प्रदर्शन संकेत है कि शिक्षकों और शिक्षा प्रशासकों को ज्यादा सक्रिय होना पड़ेगा। अनेक सरकारी ही नहीं, निजी विद्यालयों में भी कमियों को दूर करने में दशकों से कोताही बरती जा रही है।

नीतियों में करना होगा बदलाव

प्रतिबद्ध वोटों से भी हाथ धोती जा रही है कांग्रेस

डॉ. हरिकृष्ण बड़ोदिया

कभी-कभी लगता है कि जिस गांधी परिवार ने देश पर लगभग 60 साल राज किया उस परिवार को पिछले 12 सालों से मोदी का भारत पर राज करते हुए देखना गहरी पीड़ा दे रहा है जिसकी वजह से वह हर स्तर पर विरोध करने तथा मोदी और अमित शाह का हर स्तर पर अपमान करने से नहीं चूक रही। यही नहीं कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के प्रति कटिबद्धता और भारत की दुनिया के पटल पर बढ़ती हुई प्रतिष्ठा से प्रतिशोध की आग में जल रही है। यही कारण है कि उसके नेताओं खासकर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा, जयराम रमेश और के सी वेणुगोपाल आदि की सुबह की शुरूआत मोदी, अमित शाह और भाजपाइयों की आलोचना से शुरू होती है और हर शाम भाजपा नेताओं पर अनर्गल आरोपों पर जाकर खत्म होती है। कांग्रेस के नेता जिस तरह का आचरण पिछले कुछ सालों से कर रहे हैं वह जनता की नजरों को चुभ रहा है। अगर सच्ची बात कही जाए तो राहुल गांधी से लेकर वे सारे नेता जो मोदी सरकार को बदनाम कर अपना वोट बैंक बढ़ाने का विचार रखते हैं उन्हें नहीं मालूम कि वे उतने ही ज्यादा प्रतिबद्ध हिंदू वोटों से हाथ धोते जा रहे हैं। देश की आजादी के बाद के 60 सालों तक देश की जनता खास तौर से हिंदुओं ने जो साथ कांग्रेस को दिया वह साथ अब हाथ को छोड़ता जा रहा है। कांग्रेस के नेता जितना मोदी का विरोध कर रहे हैं उससे दोगुना मोदी लोगों के दिलों में स्थान पा रहे हैं। उसका कारण यही है कि मोदी पर आज तक कोई असंसदीय कार्य और भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे तथा उन्होंने ना तो देश की जनता के भरोसे को कभी तोड़ा और ना ही आम जनता के हितों की अनदेखी की। कांग्रेस को याद करना चाहिए कि उसने मोदी को चौकीदार चोर के नारे से नवाजा तो 2019 में जनता ने उन्हें 303 सीटें देकर उपकृत किया और कांग्रेस 52 सीटों पर सिमट कर रह गई। अगर कांग्रेस यह सोच रही है कि 2024 में उसने भाजपा को 240 सीटों पर समेट दिया था तो यह उसकी उपलब्धि नहीं बल्कि भाजपा के अपने गलत आकलन का परिणाम था जिसने अबकी बार 400 पार का नारा देकर अपने कोर वोटर को बूथ पर जाने में आलसी बनाया। 2019 से 2024 के बीच भाजपा की नीतियां ना तो गलत थीं और ना ही नियत खराब थी। यदि यह मान भी लिया जाए कि मोदी सरकार से जनता नाराज थी तो इसका मतलब यह भी नहीं था कि कांग्रेस से जनता खुश थी। यदि खुश होती तो वह कांग्रेस को बहुमत देती लेकिन उसने कांग्रेस को 99 सीटों पर समेट दिया। कांग्रेस अगर यह गलतफहमी पालकर बैठी है कि वह 99 सीटें उसकी विचारधारा से प्रभावित होकर जनता ने दी तो वह बड़ी भूल कर रही है क्योंकि ये 99 सीटें उसे गठबंधन के अन्य दलों की कृपा से मिली। यदि सहयोगी दलों ने कांग्रेस को अपने कोटे में से सीटें आवंटित ना की होतीं और उनके मतदाताओं के वोट कांग्रेस को शिफ्ट नहीं होते तो कांग्रेस 52 सीटों पर फिर से सिमट जाती तो आश्चर्य नहीं होता। जो भी हो कांग्रेस को जितना जनसमर्थन मिला उसके प्रति उसे उन सहयोगी दलों और उन वोटरों का आभारी होना चाहिए जिन्होंने कांग्रेस के लिए त्याग किया। कांग्रेस जितनी गैर जरूरी आक्रामकता और फूहड़ मानसिकता इन दिनों प्रदर्शित कर रही है यह जनता को उतना ही विचलित कर रही है। लगता तो यह भी है कि कांग्रेस के बहुत सारे नेता ऐसे भी होंगे जो आजकल कांग्रेस की मोदी विरोधी शैली से बेहद चिंतित होंगे। यह तो उनकी उदारता है कि वे सब फूहड़ मानसिकता वाले प्रदर्शनों और अशोभनीय आचरण को कड़वा घूंट पीकर चुप रह जाते हैं। लेकिन जब इसकी अति हो जाएगी तो उनमें से कई हाथ का साथ छोड़ने में देर नहीं करेंगे। संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस ने जिस तरह का संसद में प्रदर्शन किया उससे जनता विचलित है। कितनी विडंबना है कि कांग्रेस नेता कहते हैं कि संसद चलाना सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है लेकिन क्या विपक्ष की कोई जिम्मेदारी नहीं। 20 जुलाई से 13 अगस्त 19 दिन तक चले मानसून सत्र में लोकसभा में काम होना था 114 घंटे किंतु लगभग 17 घंटे कामकाज हो पाया और 97 घंटे विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गए। आखिरी दिन तो गजब ही हुआ लोकसभा में केवल 1 मिनट कामकाज हुआ। इसी तरह राज्यसभा की कार्यवाही 114 घंटे होनी थी लेकिन कामकाज हुआ मात्र 37 घंटे यहां भी 77 घंटे हंगामे की भेंट चढ़ गए। कितनी विडंबना है जिस संसद को चलाने में हर एक घंटे में ढाई लाख रुपए खर्च होते हैं अर्थात एक दिन में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और दोनों सदनों में 6-6 घंटे कामकाज के हिसाब से हर एक दिन में टैक्स पेयर जनता की गाढ़ी कमाई के लगभग 19 करोड़ खर्च होते हैं और कामकाज कमोबेश शून्य हो तो विपक्ष यह कहकर भाग नहीं सकता कि संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। यह संयुक्त जिम्मेदारी से भागना जनता के साथ न्याय नहीं माना जा सकता। बिना बहस के बिलों का पास हो जाना, विपक्ष की जनता के प्रति जिम्मेदारी से पलायन नहीं कहा जाए तो क्या कहा जाए। इतना सब होने के बाद भी विपक्ष के पास मोदी और अमित शाह को कोसने और देश विरोधी मानसिकता के प्रदर्शन के अलावा कोई काम नजर नहीं आता। जैसे-जैसे 2027 और 2029 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव पास आते जा रहे हैं विपक्ष गलतियों पर गलतियां किए जा रहा है। राहुल गांधी ने दिल्ली में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में फूहड़ प्रदर्शन कर मोदी और इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के विदेश नीति के तहत संबंधों का संदीप दीक्षित के साथ भाव भंगिमा का भौतिक प्रदर्शन कर मजाक बनाया वह सर्वथा आपत्तिजनक था। आश्चर्य है कि जो व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बनना चाहता है वह विदेशी प्रमुखों का मजाक बनाकर अपनी ना समझी प्रकट करता देखा जा रहा है। पाठकों को याद होगा की इसी तरह की ना समझी उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपनी बहन प्रियंका का सार्वजनिक रूप से डीप किस लेकर की थी। आश्चर्य तो यह भी है कि संदीप दीक्षित जिनकी मां शीला दीक्षित वर्षों तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं ने मेलोनी का नाम लेकर अपनी भद्द पिटवा ली। यह पहला मौका नहीं है जब संदीप दीक्षित ने ऐसा किया। ये वे नेता हैं जो भारत के सेना प्रमुख को गली का गुंडा कहने में शर्म नहीं करते। यह तो केवल एक उदाहरण है। राहुल गांधी जब मोदी और अमित शाह पर मवालियों की भाषा में टिप्पणी करते हैं तब लगता है कि ऐसे संस्कारों का व्यक्ति यदि देश का पीएम बन जाए तो दुनिया भर में क्या संदेश जाएगा। जो भी हो कांग्रेस अपने पैरों पर पहले भी कुल्हाड़ी मारती रही है और लगातार एक सैकड़ा चुनाव हारने के बाद भी वह समझने को तैयार नहीं है। भारत की जनता 70 या 80 के दशक की नहीं है जिसके पास कांग्रेस का विकल्प नहीं था। यह नई सदी का भारत है और जनता सबको जानती है और पहचानती है।

शीशे का चश्मा

सदर तहसील कार्यालय के मुख्य प्रांगण में पचहत्तर साल के जगन्नाथ जी हर दिन सुबह ठीक दस बजे आकर खड़े हो जाते थे। वह कार्यालय जहाँ ईमानदारी केवल नोटिस बोर्ड पर चिपकी रहती है और भ्रष्टाचार फाइलों के भीतर एयरकंडीशंड हवा खाता है वहां उनका आगमन किसी पुराने पाप की तरह लगता था। उनके हाथ में प्लास्टिक का एक पुराना ऐनक का ढांचा होता था जिसका बायां शीशा गायब था और दाहिनी तरफ केवल एक धुंधला कांच बचा हुआ था जिसे देखकर लगता था कि व्यवस्था ने उनकी एक आंख का मोतियाबिंद तो ठीक किया पर दूसरी आंख का वजूद ही डकार लिया। तहसील का नया चपरासी जो साहबों की जूठन और अहंकार चाटकर खुद को आधा तहसीलदार समझने लगा था उन्हें धूप में खड़ा देखता तो चुटकी लेते हुए कहता कि बाबा जब चश्मे का एक शीशा फूट ही गया है तो इसे रोज अपनी हथेली पर सजाकर यहाँ अफसरों का रास्ता क्यों रोकते हो क्या अपनी दरिद्रता का विज्ञापन कर रहे हो। जगन्नाथ जी अपनी झुर्रियों से ढकी धुंधली आँख से उस एक शीशे के पार देखने की कोशिश करते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह टूटा हुआ चश्मा केवल कांच का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे महकमे की वो एकतरफा दृष्टि है जिसे दुनिया का सच कभी पूरा दिखाई ही नहीं देता क्योंकि सच देखने के लिए जमीर की जरूरत होती है और यहाँ जमीर कब्ज का शिकार होकर फाइलों में दफन है। दफ़्तर में आने वाले तमाम मुंशी जो मुवक्किलों का खून चूसकर लाल हो रहे थे और फरियादी जिनका खून सूख चुका था उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है बूढ़े का दिमाग पूरी तरह सठिया चुका है जो एक आंख से सरकारी इमारत को घूरकर अपना काम कराना चाहता है जबकि यहाँ तो चार आंखों वाले भी अंधे होकर मेज के नीचे हाथ फैलाते हैं।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 21 अगस्त 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 06:09 सूर्यास्त 18:50
श्रावण मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - नवमी 23:36 उपरांत दसमी
नक्षत्र - अनुराधा 11:53 उपरांत ज्येष्ठा
योग - वैधृति 05:18 उपरांत विष्कुंभ
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण वृश्चिक में रहेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 07 तारिख

मेष- नौकरी में वरिष्ठों के साथ धैर्य रखें और कार्य में जल्दबाजी न करें।

वृषभ- कारोबार में अनावश्यक खर्च और बिना सोचे-समझे निवेश से बचें। पार्टनर के प्रति आक्रामक रवैया तनाव बढ़ा सकता है।

मिथुन- संयम से काम लें। अचानक खर्च बढ़ सकते हैं। पेट संबंधी परेशानी हो सकती है, मसालेदार भोजन से परहेज करें।

कर्क- कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत की आवश्यकता है। निराश न हों परिणाम आने में थोड़ा समय लग सकता है।

सिंह- बड़े आर्थिक जोखिम से बचें। जीवनसाथी या पार्टनर की बात को धैर्य से सुनें।

कन्या- पैसों का प्रवाह सीमित रह सकता है। अनावश्यक खरीदारी से बचें। मानसिक थकान हो सकती है।

तुला- सहकर्मियों के साथ बातचीत में स्पष्टता रखें ताकि गलतफहमी न हो।

वृश्चिक- व्यापारिक साझेदारी में पारदर्शिता बनाए रखें। आपका शांत व्यवहार रिश्ते की डोर को मजबूत बनाए रखेगा।

धनु- खर्चों की प्राथमिकता तय करें। कंधों या कमर में खिंचाव की शिकायत हो सकती है।

मकर- नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी लेकिन आपकी निष्ठा वरिष्ठों की नजर में आएगी।

कुंभ- रिश्ते में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं, लेकिन भावनाओं की अनदेखी न करें।

मीन- आय स्थिर रहेगी। जोड़ों में जकड़न या थकान महसूस हो सकती है।

समसामयिक

वंदे मातरम् के अपमान पर संग्राम

प्रमोद भार्गव
(दैनिक अवन्तिका)

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कथित अपमान के आरोप पर देश की राजनीति गरमा गई है। केंद्रिय ग्रहमंत्री अमित शाह ने चित्तौड़गढ़ में कहा कि यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, जो सोनिया गांधी को रास नहीं आ रहा है। सोनिया जी 140 करोड़ जनता आपको देख रही है। यदि कांग्रेसियों में जरा भी शर्म बची है तो इस गीत के अमर रचयिता बंकिम बाबू और जनता से माफी मांगे। इस बीच दिल्ली के इंद्रप्रस्थ थाने में अधिवक्ता शुभ शर्मा ने सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कर्नाटक के भाजपा नेता विकास पुत्तुर ने भी थाने में शिकायती अर्जी दी है। बंकिम बाबू के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने भी सोनिया गांधी से बिना शर्त माफी मांगने का आग्रह किया है। यानी यह विवाद लंबा चलने वाला है। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर जब समारोह चल रहा था, तब राहुल गांधी और मल्लिकाअर्जुन खड़गे ने इसके संपूर्ण गान से किनारा कर लिया था। वंदे मातरम् को लेकर पहली बार विवाद खड़ा हुआ हो ऐसा नहीं है, रह-रहकर विवाद नए-नए रूपों में अंगड़ाई लेता ही रहता है। यही नहीं जब राष्ट्रगान जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम् को संसद में विधायी संरक्षण देने संबंधी विधेयक पर चर्चा हो रही थी तब भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पीछे हट रहे थे, बावजूद संपूर्ण गायन से जुड़ा विधेयक पारित हो गया।

राष्ट्रगीत का बहिष्कार संसद और विधानसभाओं में तो होता ही रहा है, किंतु अब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसके संपूर्ण गान का विरोध किया जाना चिंताजनक है। संविधान के इस प्रविधान का अपमान अलगाववादी मानसिकता का प्रतीक है। यह मामला तब और गंभीर हो जाता है, जब निर्वाचित सांसद और विधायक वंदे मातरम् की उपेक्षा करें। क्योंकि कोई भी जनप्रतिनिधि न केवल बहुधर्मी और बहुजातीय मतदाताओं के बहुमत से संसद में पहुंचता है, बल्कि धर्म व जातीयता से ऊपर उठकर संविधान, देश व जनहित की शपथ लेकर अपने कर्तव्य का पालन करता है। लिहाजा यह मुद्दा धर्म और राजनीति से परे राष्ट्रीय गरिमा और सोच से जुड़ा मसला है। यदि राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान करने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो इससे अलगाववाद की संकीर्ण मानसिकता को विस्तार मिलेगा और जनता में गलत संदेश जाएगा। इसलिए इस्लाम या ईसाइयत के बहाने वंदेमातरम का विरोध करने वाले जो भी सांसद या विधायक हों, उन्हें बर्खास्त किया जाए। पूर्व सांसदों व विधायकों को मिलने वाले विशेषाधिकार व सुविधाओं से भी वंचित किया जाए।

बंकिम चंद्र चटर्जी के बांग्ला भाषा में लिखे उपन्यास आनंद मठ में उल्लेखित गीत को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकारा गया है। यह गीत कोई मामूली गीत नहीं है। भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान और स्वाभिमान इसी गीत से प्राप्त हुए। नागरिक सभ्यता की विरासत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव सेवा के मूल्यों के उत्स इसी गीत के समवेत स्वर की उपज हैं। अंग्रेजों के विरुद्ध भिन्न जातीय और धर्म-समुदायों को संगठित करने के अभियान में इसी गीत की भूमिका बुलंद थी। तय है, वंदे मातरम् क्रांति के स्वरों में नींव का पत्थर था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की रक्त धमनियों में विद्रोह की उग्र भावना इसी गीत की देन है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन को देशव्यापी धरातल इसी गीत के बूते मिला था। और वह यही आंदोलन था, जिसमें गांधी ने करो या मरो का नारा दिया था। सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजियों ने भी इसी गीत को गाते हुए मातृभूमि की बलिवेदी पर प्राण न्यौछावर किए थे। 14 अगस्त 1947 की मध्य-रात्रि में जब देश आजाद हो रहा था, तब इस मंत्र गीत का गायन श्रीमती सुचेता कृपलानी ने किया और वहां उपस्थित लोग इस गीत के सम्मान में गीत खत्म न हो जाने तक खड़े रहे।

चीनी छोड़ने के बावजूद इन खाद्य पदार्थों से बढ़ सकता है शुगर सेवन

चीनी का सेवन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए केवल चाय, मिठाई और मीठे व्यंजनों से दूरी बनाना पर्याप्त नहीं माना जाता। रोजमर्रा के कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनका स्वाद बहुत ज्यादा मीठा नहीं होता, लेकिन उनमें अतिरिक्त चीनी मौजूद हो सकती है। सॉस टोमैटो केचप पैकेज्ड जूस और फ्लेवर्ड दही जैसे उत्पाद अनजाने में रोज की डाइट में शुगर की मात्रा बढ़ा सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यधिक चीनी का सेवन चिंता का विषय माना जाता है। डाइट में जरूरत से ज्यादा शुगर होने पर वजन बढ़ने और मोटापे का जोखिम बढ़ सकता है। लंबे समय तक असंतुलित खान-पान कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी जुड़ा हो सकता है। इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर केवल दिखाई देने वाली चीनी पर ध्यान देने के बजाय पूरे दिन में ली जाने वाली कुल अतिरिक्त चीनी पर नजर रखने की सलाह देते हैं।

चीनी कम करने का मतलब यह नहीं है कि हर खाद्य पदार्थ से प्राकृतिक रूप से मौजूद शुगर को खत्म करना जरूरी है। असली चुनौती उन उत्पादों की पहचान करना है, जिनमें स्वाद, बनावट या संरक्षण के लिए अतिरिक्त चीनी मिलाई जाती है। पैकेज्ड खाद्य पदार्थ खरीदते समय लेबल पढ़ना इस मामले में महत्वपूर्ण हो सकता है।

टोमैटो केचप और दूसरी सॉस इसका सामान्य उदाहरण हैं। ये उत्पाद नमकीन या खट्टे स्वाद वाले लग सकते हैं, लेकिन इनमें अतिरिक्त चीनी शामिल हो सकती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक टेबलस्पून केचप में करीब चार ग्राम तक अतिरिक्त चीनी हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति भोजन के साथ नियमित रूप से सॉस या केचप लेता है, तो पूरे दिन की कुल शुगर खपत बढ़ सकती है।

पैकेज्ड जूस को लेकर भी सावधानी जरूरी है। केवल फल से बना होने या पैकेट पर फलों की तस्वीर होने से कोई जूस अपने आप कम चीनी वाला उत्पाद नहीं बन जाता। कई पैक्ड ड्रिंक्स में अतिरिक्त चीनी हो सकती है। इसके अलावा पूरे फल की तुलना में जूस में फाइबर की मात्रा कम हो सकती है, जिससे पेट भरने का अनुभव भी अलग होता है। इसलिए फल खाने को अक्सर जूस पीने की तुलना में बेहतर विकल्प माना जाता है।

फ्लेवर्ड दही भी उन उत्पादों में शामिल हो सकता है, जिन्हें लोग स्वस्थ विकल्प समझकर खाते हैं। दही अपने प्राकृतिक रूप में पौष्टिक खाद्य पदार्थ हो सकता है, लेकिन स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें चीनी या मीठे फ्लेवर मिलाए जा सकते हैं। ऐसे उत्पाद खरीदते समय पोषण संबंधी जानकारी और सामग्री की सूची देखना उपयोगी रहता है।

बिस्किट, ब्रेकफास्ट सीरियल, ग्रेनोला और कुछ अन्य पैकेज्ड स्नैक्स में भी अतिरिक्त शुगर हो सकती है। कई उत्पादों को हेल्दी या फिटनेस फ्रेंडली बताकर पेश किया जाता है, लेकिन केवल पैकेजिंग पर लिखे दावों के आधार पर फैसला करना उचित नहीं है। खाद्य लेबल पर कुल शुगर और अतिरिक्त चीनी की जानकारी देखना अधिक उपयोगी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रोज की डाइट में चीनी की मात्रा सीमित रखना जरूरी है। सामान्य तौर पर कुल कैलोरी में फ्री शुगर का हिस्सा 10 प्रतिशत से कम रखने की सलाह दी जाती है। 2,000 कैलोरी वाली डाइट के हिसाब से यह लगभग 50 ग्राम फ्री शुगर के बराबर है। हालांकि व्यक्तिगत जरूरत उम्र, स्वास्थ्य और कुल डाइट पर निर्भर कर सकती है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

धर्म-आस्था

घंटी की गूंज, शंख की ध्वनि और दीपक का प्रकाश-पूजा की चार परंपराओं का गहरा संदेश

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

घंटी, कलश, शंख और दीपक केवल पूजा की वस्तुएं नहीं, बल्कि भारतीय आस्था में पवित्रता, पूर्णता, शुभता और ज्ञान के प्रतीक माने गए हैं।

भारतीय पूजा-पद्धति केवल मंत्रों और पूजा सामग्री का संयोजन नहीं है। इसके पीछे प्रतीकों और परंपराओं की एक लंबी सांस्कृतिक यात्रा है। घर का छोटा-सा पूजा स्थल हो या किसी प्राचीन मंदिर का विशाल गर्भगृह, पूजा के समय घंटी, कलश, शंख और दीपक जैसी वस्तुएं सहज ही दिखाई देती हैं। हममें से अधिकांश लोग इनका उपयोग बचपन से देखते आए हैं, लेकिन इनके पीछे छिपे भाव और धार्मिक प्रतीक को समझने का अवसर कम ही मिलता है।

भारतीय परंपरा में पूजा केवल भगवान के सामने अपनी इच्छा रखने का माध्यम नहीं मानी गई, बल्कि स्वयं को भीतर से शांत, एकाग्र और सकारात्मक बनाने की प्रक्रिया भी मानी गई है। यही कारण है कि पूजा की प्रत्येक वस्तु को किसी न किसी भाव से जोड़ा गया है।

पूजा आरंभ करने से पहले मंदिर में घंटी बजाने की परंपरा सदियों पुरानी है। घंटी की ध्वनि को शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार घंटी बजाने से वातावरण में सकारात्मकता आती है और मन पूजा के प्रति एकाग्र होता है। मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाना जैसे यह संकेत देता है कि अब बाहरी दुनिया की चिंताओं को कुछ समय के लिए पीछे छोड़कर मन को आराधना की ओर लगाया जाए।

घंटी की ध्वनि का एक सांस्कृतिक पक्ष भी है। मंदिर की शांत वातावरण में गूंजती घंटी व्यक्ति का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींचती है। कुछ क्षणों के लिए मन इधर-उधर की बातों से हटकर उस ध्वनि पर टिक जाता है। धार्मिक दृष्टि से इसे वातावरण की नकारात्मकता दूर करने और पवित्र भाव जगाने से जोड़ा गया है। अलग-अलग परंपराओं में घंटी के धार्मिक अर्थ और उसके उपयोग की विधि अलग हो सकती है, लेकिन इसका मूल भाव पूजा में एकाग्रता और शुभता से जुड़ा दिखाई देता है।

इसके बाद आता है कलश। भारतीय धार्मिक परंपरा में कलश को पूर्णता, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना गया है। सामान्यतः कलश में जल भरा जाता है और उसके ऊपर आम के पत्ते तथा नारियल रखा जाता है। किसी भी शुभ कार्य में कलश की स्थापना का विशेष महत्व होता है।

जल स्वयं जीवन का आधार है। इसलिए कलश में रखा जल जीवन, पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। ऊपर रखा नारियल शुभ फल का संकेत माना जाता है, जबकि आम के पत्तों को भी मंगलकारी माना गया है। गृह प्रवेश, विवाह, नवरात्रि, धार्मिक अनुष्ठान और अन्य शुभ अवसरों पर कलश स्थापना की परंपरा इसी भाव से जुड़ी है।

कलश हमें एक और सुंदर संदेश देता है-पूर्णता बाहर की वस्तुओं से नहीं, भीतर के संतुलन से आती है। जल से भरा कलश जैसे जीवन को खाली नहीं, बल्कि सार्थक और उपयोगी बनाने की प्रेरणा देता है।

पूजा में शंख का भी विशेष स्थान है। शंख का संबंध भगवान विष्णु से माना जाता है और इसे शुभता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों में शंख बजाने की परंपरा अनेक स्थानों पर प्रचलित है। शंख की ध्वनि को पवित्र वातावरण बनाने और पूजा के समय सकारात्मक भाव उत्पन्न करने से जोड़ा जाता है।

कई घरों में पूजा के बाद शंख में रखे जल का धार्मिक विधि के अनुसार उपयोग किया जाता है। हालांकि शंख से जुड़ी परंपराएं अलग-अलग क्षेत्रों और संप्रदायों में भिन्न हो सकती हैं। कहीं शंख पूजा का प्रमुख हिस्सा है तो कहीं इसका उपयोग विशेष अवसरों पर किया जाता है।

शंख की सबसे सुंदर बात शायद उसकी ध्वनि है। मंदिर में जब शंख बजता है तो वातावरण में एक अलग ही ऊर्जा का अनुभव होता है। यह ध्वनि जैसे मन को याद दिलाती है कि पूजा केवल एक कर्मकांड नहीं, बल्कि भीतर की चेतना को जगाने का अवसर भी है।

और फिर आता है दीपक-पूजा का सबसे सहज और सबसे सुंदर प्रतीक। एक छोटा-सा दीपक अंधकार के बीच प्रकाश पैदा करता है। धार्मिक परंपरा में दीपक की लौ को ज्ञान, प्रकाश, शुभता और चेतना का प्रतीक माना गया है। पूजा के समय घी या तेल का दीपक जलाने की परंपरा विभिन्न पूजा-पद्धतियों में प्रचलित है।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,52,800 रवा- 1,52,500 चांदी- टंच- 2,36,500 पाट- 2,35,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

हेल्थ केयर ट्रेड के विद्यार्थियों ने किया अस्पताल का भ्रमण

शुजालपुर। मां शारदा सांदीपनि विद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत हेल्थ केयर ट्रेड के विद्यार्थियों का शासकीय सिविल अस्पताल में औद्योगिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान डॉ. मनीष महेश्वरी ने विद्यार्थियों को अस्पताल की विभिन्न प्रक्रियाओं, मरीजों के उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार एवं व्यावसायिक संभावनाओं के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर व्यावसायिक प्रशिक्षक ऋ तु पटेल, ऋ चा शर्मा एवं विज्ञान शिक्षिका नीता शर्मा उपस्थित रहीं। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को हेल्थ केयर क्षेत्र की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा। 402

स्कूल के बाहर बिजली मीटर में लगी आग, टला बड़ा हादसा

शाजापुर। शहर में बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां दोपहर करीब 2 बजे सहज पब्लिक स्कूल के बाहर लगे बिजली के मीटर में अचानक तेज चिंगारियों के साथ आग भड़क उठी, जिससे आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। गनीमत यह रही कि इस घटना से स्कूल के अंदर मौजूद किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सबसे पहले इलाके की बिजली सप्लाई बंद की और फिर आग पर काबू पा लिया। शुरूआती जांच में यह अंदेशा जताया जा रहा है कि बारिश का पानी मीटर के अंदर चले जाने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ। फिलहाल टीम ने सुधार कार्य पूरा कर इलाके की बिजली सप्लाई फिर से चालू कर दी है। 04

यूसीसी को लेकर मुस्लिम समाज ने किया विरोध

आगर मालवा। आगर-मालवा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 को लेकर मुस्लिम समाज ने विरोध जताया है। बुधवार को समाज की महिलाओं, युवतियों और प्रबुद्धजनों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रस्तावित विधेयक पर पुनर्विचार की मांग की गई। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि विधेयक के कुछ प्रावधान धार्मिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को प्रभावित कर सकते हैं। ज्ञापन में कहा गया कि भारत की पहचान विविधता और सांस्कृतिक परंपराओं से है। संविधान नागरिकों को धर्म का पालन करने और धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक में अनुसूचित जनजाति आबादी को छूट देने और कुछ धार्मिक समुदायों से जुड़े प्रावधानों में अंतर रखने से समानता के सिद्धांत पर सवाल उठते हैं।

मृतक का भाई बोला- युवक शादी की बात पर झगड़ता रहा

पति की मौत के बाद उसके ही दोस्त संग लिव-इन में रही पत्नी ने लगाई फांसी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ देवास

देवास के शिव शक्ति नगर में एक महिला ने मंगलवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला पिछले दो साल से एक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

मृतका की पहचान 31 वर्षीय प्रियंका चौहान के रूप में हुई है। उनके भाई मयंक चौहान ने आरोप लगाया कि प्रियंका करीब दो साल से पंकज अहिरवार नामक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी।

मयंक चौहान के अनुसार, प्रियंका पंकज से शादी करना चाहती थी, लेकिन पंकज इसके लिए तैयार नहीं था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

मयंक ने बताया कि मंगलवार रात उनकी पंकज से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने पंकज से प्रियंका से बात कराने को कहा। कुछ देर बाद पंकज ने फोन कर बताया कि प्रियंका ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया है। दरवाजा तोड़ने पर प्रियंका पंखे से चुन्नी के

फंदे से लटकी मिली।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बुधवार सुबह पुलिस ने शव को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मयंक के मुताबिक, प्रियंका के पति की करीब चार साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद प्रियंका की दोस्ती पंकज अहिरवार से हुई, जो उनके पति का दोस्त था। दोस्ती बढ़ने के बाद दोनों साथ रहने लगे।

परिजनों का आरोप है कि लिव-इन के दौरान दोनों के बीच कई बार विवाद हुए। प्रियंका शादी के लिए दबाव डालती थी, लेकिन पंकज कथित तौर पर तैयार नहीं था। प्रियंका की सात साल की एक बेटी भी है, जो फिलहाल अपने मामा मयंक चौहान के साथ रहती है। परिजनों ने मामले की जांच कर प्रियंका को आत्महत्या के लिए उकसाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तथ्यों के आधार पर जांच कार्रवाई करेंगे

सिविल लाइन थाना प्रभारी अमित सोलंकी ने बताया कि महिला ने खुदकुशी की है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया है। परिजन जो आरोप लगा रहे हैं, तथ्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक राखी देश के जवानों के नाम

सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं ने सीमा पर तैनात सैनिकों को भेजी स्वनिर्मित राखियां

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शाजापुर

रक्षाबंधन का पवित्र पर्व हम सभी हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, लेकिन हमारे देश के वीर जवान हमारी सुरक्षा के लिए दिन-रात सीमाओं पर डटे रहते हैं। कई बार वे इन त्योहारों पर अपने घर भी नहीं आ पाते। ऐसे में, सरहद पर तैनात इन जवानों की कलाइयां सूनी न रहें, इसके लिए भारतीय डाक विभाग द्वारा 'एक राखी देश के जवानों के नाम' नामक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस पुनीत अभियान से जुड़ते हुए शाजापुर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने सीमा पर तैनात अपने फौजी भाइयों के लिए खास राखियां भेजी हैं। संस्था की प्राचार्य सविता सोनी के मार्गदर्शन में विद्यालय की छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ अपने हाथों से आकर्षक राखियां बनाईं। छात्राओं

ने केवल राखियां ही नहीं बनाईं, बल्कि एक छोटी सी हस्तलिखित चिट्ठी में अपने वीर जवानों के लिए भावपूर्ण संदेश भी लिखे। इन संदेशों में बहनों का वह असीम प्यार समाहित है, जो जवानों को यह अहसास कराएगा कि भले ही वे अपने परिवार से दूर हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं।

इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के गतिविधि प्रभारी गोविंद सोनी एवं पदमा नामदेव ने विशेष भूमिका निभाई। इसके साथ ही, संस्था के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं में छात्राओं को राखियां बनाने और संदेश लिखने के लिए प्रेरित कर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

डाक विभाग ने किया राखियों का संग्रह

विद्यालय में तैयार की गई इन राखियों और संदेशों को सीमा तक पहुँचाने के लिए डाक विभाग के प्रतिनिधि हरिनारायण नागर ने विद्यालय पहुंचकर इन्हें ससम्मान एकत्रित किया। यह प्रयास इस बात का प्रतीक है कि भले ही हम देश की सीमाओं पर नहीं हैं, लेकिन देशवासियों का प्यार और सम्मान हमारे सैनिकों के साथ हमेशा बना हुआ है।

642 जरूरतमंद छात्राओं की शिक्षा में मदद की

समाजसेवी डॉ. मिश्रा ने कन्या विद्यालय में भेंट किया वाटर कूलर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शुजालपुर

क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. सीवी मिश्रा ने समाजसेवा की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तलेन में एक्वागार्ड युक्त 23वां वाटर कूलर भेंट किया। भीषण गर्मी के बीच छात्राओं को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई इस पहल की विद्यालय परिवार एवं स्थानीय नागरिकों ने सराहना की। डॉ. मिश्रा पिछले 25 वर्षों से प्रतिवर्ष एक शासकीय विद्यालय में एक्वागार्ड युक्त वाटर कूलर भेंट करते आ रहे हैं। इस सेवा कार्य के माध्यम से वे विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में योगदान दे रहे हैं।

जल सेवा के साथ ही डॉ. मिश्रा पिछले 30 वर्षों से निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं की शिक्षा में भी सहयोग कर रहे हैं। वे प्रतिवर्ष जरूरतमंद छात्राओं की स्कूल फीस जमा करवाते हैं। इस वर्ष उन्होंने 25 छात्राओं की

दोनों सेवा कार्यों पर 1.20 लाख रुपए खर्च

इस वर्ष वाटर कूलर की स्थापना और छात्राओं की फीस जमा करने सहित दोनों सेवा प्रकल्पों पर करीब 1.20 लाख रुपए खर्च किए गए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि समाज में जब भी और जहां भी आवश्यकता हो, प्रत्येक नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार सेवा और सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। विद्यालय परिवार एवं स्थानीय नागरिकों ने डॉ. मिश्रा के सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी हैं।

वार्षिक फीस का भुगतान किया। इस अभियान से अब तक कुल 642 छात्राएं लाभान्वित हो चुकी हैं।

भिक्षा मांगने के लिए घर से निकले भाई-बहन लापता, पुलिस तलाश में जुटी

शुजालपुर। शहर की कृष्णा नगर कॉलोनी से 8 वर्षीय बालिका और 4 वर्षीय बालक के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों के पिता लालसिंह राजपूत की शिकायत पर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 8 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे लालसिंह भिक्षा मांगने ग्राम राघोखेड़ी गया था। दोपहर करीब 4 बजे वापस लौटने पर बेटी सोनम 8 वर्ष और बेटा कृष्णपाल 4 वर्ष घर पर नहीं मिले। बड़े बेटे ईश्वर से पूछने पर पता चला कि दोनों भिक्षा मांगने के लिए रेलवे स्टेशन की ओर गए थे। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शुजालपुर मंडी, शुजालपुर सिटी सहित रिश्तेदारी और अन्य स्थानों पर तलाश की, लेकिन दोनों का पता नहीं चला। पिता ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति दोनों नाबालिगों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस परिजनों से जानकारी जुटाने के साथ दोनों की तलाश में जुटी है। इनकी तलाश में पुलिस ने एक दल भी विभिन्न स्थान के लिए रवाना किया है। पुलिस ने आमजन से दोनों बच्चों के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी 9826084102, बीट प्रभारी 9575555522 अथवा थाना शुजालपुर मंडी 7587636208 पर सूचना देने की अपील की गई है।

बीएससी प्रथम वर्ष में एटीकेटी के विरोध में अभाविप का ज्ञापन, दी आंदोलन की चेतावनी

शुजालपुर। शासकीय जेएनएस महाविद्यालय में बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को बड़ी संख्या में एटीकेटी मिलने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप महाविद्यालय इकाई ने कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय के नाम प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने परीक्षा परिणामों की निष्पक्ष जांच कर विद्यार्थियों को शीघ्र राहत दिलाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणामों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को एटीकेटी मिली है। विशेष रूप से बीएससी प्रथम वर्ष के परिणाम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अनुत्तीर्ण होने से विद्यार्थियों में असंतोष और चिंता का माहौल है। महाविद्यालय अध्यक्ष चेतना वैष्णव ने कहा कि परीक्षा परिणामों की निष्पक्ष जांच कर विद्यार्थियों को शीघ्र न्याय दिलाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस मामले में केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं हैए बल्कि समस्या का ठोस एवं शीघ्र समाधान आवश्यक है। अभाविप ने चेतावनी दी कि यदि विद्यार्थियों की समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो परिषद चरणबद्ध आंदोलन करेगी। परिषद ने कहा कि छात्रहित से जुड़े इस मामले में आंदोलन के अगले चरण की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की जयंती मनाई

अस्पताल में मरीजों को फल वितरित कर दी श्रद्धांजलि

दैनिक अवन्तिका ▶▶ कानड़

कानड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई। इस अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शासकीय अस्पताल में मरीजों को फल

वितरित किए गए।

यह कार्यक्रम कानड़ के पुराने बस स्टैंड स्थित संत शिरोमणि रविदास साहेब मंदिर चौराहा पर आयोजित किया गया। इसका आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में हुआ। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके

पोलायकलां मंडी में प्याज 4000 प्रति क्विंटल बिकी,19 हजार कट्टे की आवक

लहसुन के भाव भी बढ़े

दैनिक अवन्तिका ▶▶ अकोदिया

अकोदिया की पोलायकलां मंडी में पिछले आठ दिनों से प्याज के भाव में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। बुधवार को मंडी में प्याज की भारी आवक के बीच एक्स्ट्रा सुपर प्याज 3,800 से 4,000 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका।

बुधवार को मंडी में सुपर प्याज 3,500 से 3,800 रुपए, एवरेज माल 3,200 से 3,500 रुपए, गोल्टा 2,500 से 3,100 रुपए और गोलटी 2,000 से 2,300 रुपए प्रति क्विंटल बिका। खादू प्याज के दाम 400 से 1,500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

बुधवार को मंडी में कुल 19 हजार 200 कट्टे प्याज आया।

अच्छे दाम मिलने से किसान बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचे, जिससे मंगलवार शाम से ही गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। सुबह से शाम तक नीलामी का काम चलता रहा।

मंडी में लहसुन के भाव भी मजबूत रहे और कुल 2 हजार 100 कट्टे लहसुन आया। एक्स्ट्रा सुपर लहसुन 16 हजार से 17 हजार रुपए, सुपर 13 हजार से 14 हजार रुपए, मीडियम 10 हजार से 12 हजार रुपए, गोल्ट 8 हजार से 9 हजार रुपए और गोल्डी 6,500 से 7,000 रुपए प्रति क्विंटल बिका। लहसुन छंटान के भाव 2 हजार से 4 हजार रुपए प्रति क्विंटल रहे।

भाव और बढ़ने की उम्मीद

मंडी प्रभारी जीतमल मेवाड़ा ने बताया कि प्याज के दाम बढ़ने से किसानों में खुशी है। आने वाले दिनों में प्याज के भाव और बढ़ने की उम्मीद है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने 1 कैलाश धाकड़ पिता श्री कुंवरजी धाकड़, निवासी ग्राम नवादा, तहसील उन्हेल जिला उज्जैन से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर 186/1/4/2 रकबा 0.10 हेक्टेअर, स्थित ग्राम नवादा तहसील उन्हेल जिला उज्जैन एवं 2 मनोज धाकड़ पिता श्री कैलाश धाकड़, निवासी- ग्राम नवादा, तहसील उन्हेल जिला उज्जैन से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर 186/1/4/1 रकबा 0.10 हेक्टेअर, व सर्वे नम्बर 186/1/3 रकबा 0.80 हेक्टेअर कुल किता 2 रकबा 0.90 हेक्टेअर इस प्रकार कुल 1.00 हेक्टेअर अर्थात 5 बीघा स्थित ग्राम नवादा तहसील उन्हेल जिला उज्जैन में स्थित है को क्रय करने का सौदा किया है और इसके सम्बन्ध में बयाना राशि प्राप्त कर अनुबंध पत्र मेरे पक्षकार के हित में निष्पादित किया है। उक्त अनुबंध के पालन में मेरे पक्षकार उक्त भूमि के विक्रय-पत्र का निष्पादन व पंजीयन शीघ्र ही अपने पक्ष में कराने वाले है, यदि उक्त भूमि में अन्य किसी व्यक्ति को कोई स्वत्व, हित, अधिकार प्राप्त हो या उक्त विक्रय व्यवहार के सम्बन्ध मे अन्य किसी को किस प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त भूमि पर किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक, संस्था एवं कम्पनी का किसी किस्म का कोई भार हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 5 दिवस की अवधि में मुझे सूचित करें और लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें ताकि ऐसी आपत्ति का समुचित निराकरण किया जा सके अन्यथा अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि का विक्रय-पत्र अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया जावेगा और इसके पश्चात की जाने वाली कोई भी आपत्ति शून्य होकर मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नही होगी। दिनांक 20/08/2026

अखिलेश बाफना, एडवोकेट
कार्यालय-111, प्रथम तल, हर्षदीप टॉवर, नानाखेडा पेट्रोल पम्प के पास, उज्जैन मो.न. 9826266570

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भगवानसिंह पिता श्री भेरूलालजी निवासी-व कृषक ग्राम पिपल्याराघौ तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके भूमि स्वामी स्वत्व एवम आधिपत्य की कृषि आराजी भूमि सर्वे नम्बर-313/1 (एस) रकबा 0.2800 हेक्टर लगानी बरूएट की स्थित ग्राम पिपल्याराघौ तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में हैं, को क्रय करने का सोदा किया होकर टोकन बयाना राशि अदा कर दी हैं अब शेष बयाना राशि अदा कर अनुबंध-पत्र एवम विक्रय-पत्र सम्पादन व पंजीयन करनावा शेष हैं यदि उक्त भूमि को लेकर किसी प्रकार का कोई लेन देन कोई अथवा किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, या किसी वित्तीय संस्थान आदि का कोई बकाया हो या किसी का कय अनुबंध हो अथवा किंसी का कोई स्वत्व, हित, अधिकार या सुखाधिकार हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन की दिनांक से अवधि सात (7) दिनो में अपनी आपत्ति सप्रमाण लिखित में मेरे कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर पेश करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद मेरा पक्षकार अपने हित में विक्रय-पत्र का पंजीयन करवा लेंगे तथा पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धन-कारक नहीं होगी। सूचित हो। इति दिनांक-20-08-2026, स्थान-उज्जैन,

अमितेष जैन एडवोकेट
बी-4, भरतपुरी काम्पलेक्स उज्जैन
मो. नं.-9827015929 मो. नं.-9098085783

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि भवन स्वामीगण 1. मोहम्मद हनीफ पिता मरहूम अब्दुल हफीज निवासी 11/2 महाकाल मार्ग गली नंबर 05 उज्जैन 2. शमशाद बी पुत्री मरहूम अब्दुल हफीज पति हमीद खान निवासी पुराना पत्ति बाजार हुसैनी होटल देवास 3. शबाना बी पुत्री मरहूम अब्दुल हफीज पति हसिर खां निवासी 28, मेन रोड़ सदर बाजार इन्दौर के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान म्यु. पुराना नंबर 2/1558 व पश्चात का नंबर 11 एवं वर्तमान नगर पालिक निगम क्रमांक 11/2 कोट मोहल्ला महाकाल मार्ग गली नंबर 5 उज्जैन में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 315.56 वर्ग फीट है, उक्त मकान दो मंजिला पुराना गार्डर फर्शी का निर्मित है, जिसके पूर्व दिशा में मकान अन्य का मिला है, पश्चिम दिशा में सरकारी गली, उत्तर दिशा में- मकान वहिद भाई व गबु भाई के मिले तथा दक्षिण दिशा में- कुकु भाई का मकान मिला है। उक्त संपूर्ण मकान को मेरे पक्षकार अकरम खान पिता मरहूम नवाब निवासी 2 महाकाल मार्ग गली नं. 5 उज्जैन ने मय तल भूमि से लेकर निर्मित दो मंजिले मकान को हवाई हक सहित क्रय करने का सौदा दिनांक 30-05-2026 को अनुबंध-पत्र के जर्ये तय करके मकान के सौदे की बयाना राशि भी भवन स्वामीगण को अदा दी तथा अब अनुबंधित मकान के शेष विक्रय मूल्य की राशि अदा करके उक्त मकान के विक्रय-पत्र का संपादन व पंजीयन कराना बाकी है, यदि उक्त मकान पर किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, सोसायटी, निगम, निकाय, वित्तिय संस्था आदि का कोई भी बकाया ऋणभार, जमानत, विवाद, मेंटेनेंस, भार, कुर्की, हक, हिस्सा, स्वत्व, हित, अधिकार, न्यायालयीन स्थगन आदि हो अथवा उक्त मकान के विक्रय के सौदे में किसी भी व्यक्ति, बैंक, शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था आदी को भी कोई वैधानिक आपत्ति हो या कोई पारिवारिक या न्यायालयीन विवाद/स्थगन/जमानत आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन होने से 7 दिन की अवधि में लिखित सप्रमाण आपत्ति मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें एवं भवन स्वामी को भी आपत्ति की सूचना देवें, अन्यथा इस जाहिर सूचना की अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक व मान्य नहीं होगी एवं उक्त अनुबंधित मकान के विक्रय-पत्र का संपादन व पंजीयन इस जाहिर सूचना के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उनके हित में या उनके निर्देशित व्यक्ति के हित में करा लिया जावेगा। सूचित हो। दिनांक 21-08-2026

अजय सोनी एडवोकेट
कार्यालय 7, महाकाल रोड़ गली नं. 10 उज्जैन
मोबा. 9826929549

In The Court Of VII Civil Judge Class-I, District Court, Ujjain Presiding Officer:

श्री राघवेन्द्र पटेल

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC. SUC/0000028/2026)

महंत दीपकनाथ गुरु उत्तमनाथ------ आवेदक

Vs

सर्वसाधारण--------अनावेदक

Process Id-/2026
पेशी दिनांक: 08/10/2026

प्रेषिती

(1) सर्वसाधारण पता- सर्वसाधारण
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक महंत दीपकनाथ गुरु उत्तम नाथ, आयु-50 वर्ष, व्यवसाय-महंत गिरि, निवासी-भिडभंजन महादेव छापराजपुर जिला राजकोट गुजरात 360370, हालमुकाम भर्तृहरि गुफा, गढकालिका उज्जैन की ओर से इस न्यायालय के समक्ष एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अधीन आवेदक स्वर्गीय महंत योगी उत्तम नाथजी गुरु पीर गंगा नाथ योगी के शिष्य है उसके अतिरिक्त स्व. महंत योगी उत्तम नाथजी गुरु का अन्य कोई वारिस नहीं है, आवेदक के गुरु का स्वर्गवास दिनांक 16/01/2025 को हो चुका है आवेदक के गुरु का बचत खाता क्रं. 10098604006 एफडीआर नम्बर 31673462186 रुपये 23789/- मय ब्याज एवं 200698 मय ब्याज कुल राशि 224787 मय ब्याज का अनावेदक क्रं.2 एस बी आई शाखा, पता शाखा 143 अब्दालपुरा नयापुरा उज्जैन में जमा है, आवेदक पता ने उसके गुरु मृतक महंत योगी उत्तम नाथजी गुरु पीर गंगा नाथ, निवासी- उज्जैन की अनावेदक क्रं.2 की बैंक में जमा उपरोक्त राशि मय ब्याज/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 08 अक्टूबर 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 08 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। यह ओज तारीख 13 अगस्त 2026।

(राघवेन्द्र पटेल)
सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड उज्जैन (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भी पक्षकार मनीष कुमार सिंह पिता नरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी 38 एम.आय जी, इंदिरानगर अगर रोड़ उज्जैन ने प्रदीप श्रीवास्तव पिता देवीलाल श्रीवास्तव एवं श्रीमती अंजली श्रीवास्तव के स्वामित्व का एक मकान जिसका नम्बर 390 एल. आय.जी. इंदिरा नगर, आगर रोड, उज्जैन में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 74-10 वर्ग मीटर है, जिसकी लम्बाई उत्तर-दक्षिण-चौडाई बतरफ पूर्व एवं पश्चिम दोनों ओर 13.00 मीटर है। चौड़ाई-पूर्व-पश्चिम लम्बाई बतरफ, उत्तर-दक्षिण दोनों ओर 5.70 मीटर है। जिसके पूर्व से भवन का शेष भाग जो कि भेरुसिंह जी को विक्रय कर दिया गया है। पश्चिम में रास्ता उत्तर में भवन क्रमांक 391 एवं दक्षिण में रास्ता कालोनी का, जिसको क्रय करने का इकरार किया होकर बयाना राशि भी अदा कर दी है अब शेष राशि अदाकर विक्रय-पत्र का पंजीयन कराना शेष है। अतः इस बाबद किसी भी संस्था, पेढ़ी, निगम, बैंक आदि का कोई भार या आपत्ति आदि हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय प्रमाण मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त भवन का पंजीयन करा लेंवेगे फिर कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सूचित हो, इति दिनांक 20/08/2026

श्याम वर्मा एडवोकेट
16, मैत्री निकुंज मक्सी रोड, उज्जैन
मो. 88715 60715

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार कि फर्म जिसका नाम निधि गृह उघोग स्पाइसेस एण्ड फूड प्रोड्सर कम्पनी लिमिटेड पता ग्राम अमला तहसील बडनगर जिला उज्जैन म.प्र. के द्वारा संचालक श्री अशोककुमार जैन पिता राजमल जी जाति जैन निवासी 4, अब्बास तैयब अली बडनगर जिला उज्जैन म.प्र. द्वारा बैंक आर्फ इण्डिया शाखा मौलाना तहसील बडनगर जिला उज्जैन म. प्र. में ऋण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें मेरे पक्षकार द्वारा ग्राम अमला में स्थित कृषि आराजी सर्वे नम्बर जो बन्दोबस्त के पूर्व नम्बर 560/2 रकबा 1.00 हेक्टर व बन्दोबस्त के पश्चात नवीन नम्बर 349/2 में से रकबा 0.70 हेक्टर आराजी को बैंक हित में बन्धक रख कर ऋण लेना चाहते हैं।

उक्त सर्वे नम्बर का 30 वर्षीय स्वत्व इस प्रकार है कि, ग्राम मौलना तहसील बडनगर जिला उज्जैन म. प्र. में स्थित आराजी सर्वे नम्बर 560 रकबा 2.48 हेक्टर के स्वामी रणछोड पिता हेमा जी जाति माली निवासी ग्राम अमला वाले स्वामीर हे थे। रणछोडलाल जी के स्वर्गवास के पश्चात उनके पुत्र रामेश्वर पिता रणछोड़लाल जाति माली निवासी अमला द्वारा आराजी सर्वे नम्बर 560 रकबा 2.48 हेक्टर में से रकबा 1.00 हेक्टर आराजी का विक्रय पत्र क्रेतागण आबिद हुसेन पिता सिराज अली व कनिजाबाई पति सिराज अली जाति बोहरा निवासीगण सुभाष पथ बड़नगर वाले के हित में दिनांक 08/06/2011 को विधिवत विक्रय कर उप पंजीयक कार्यालय बड़नगर में पंजीबद्ध कराया गया है। जिसका दस्तावेज क्रमांक 1 ए/955 व ग्रन्थ क्रमांक 2988 पर दर्ज है।

यह कि, क्रेता 1. आबिद हुसेन पिता सिराज अली 2. कनिजाबाई पति सिराज अली जाति बोहरा निवासीगण सुभाषपंथ बडनगर 3. जकीरउद्दीन पिता अब्बुल रसुल 4. नजमुउद्दीन पिता अब्बुल रसुल निवासीगण महात्मा गांधी मार्ग बडनगर द्वारा आराजी सर्वे नम्बर 560/2 रकबा 1.00 हेक्टर आराजी को मेरे पक्षकारगण 1. नरेन्द्रकुमार जैन पिता राजमल जैन 2. अशोक कुमार जैन पिता राजमल जैन 3. ललित कुमार जैन पिता राजमल जैन जाति जैन निवासीगण अब्बास तै यर गली नम्बर 03 बड़नगर वालों के हित में दिनांक 27/10/2017 को विक्रय कर दिया गया है।

यह कि ग्राम अमला में बन्दोबस्त हो जाने के कारण आराजी सर्वे नम्बर 560/2 आराजी का नवीन नम्बर 349/2 बनाया है। उसके पश्चात मेरे पक्षकारगण द्वारा आराजी सर्वे नम्बर 349/2 रकबा 0.70 हेक्टर पर व्यवसायिक प्रयोजन के उदेश्य से भूमि परिवर्तन भी करावा लिया गया है।

उक्त आराजी सर्वे नम्बर 560/2 रकबा 1.00 हेक्टर आराजी पर किसी भी व्यक्ति या सस्था को कोई आपत्ति हो तो वे सूचना प्रकाशित होने के 08 दिन के भीतर स्वयं या अपने अभिभाषक के साथ मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर मेरे कार्यालय पर सर्वे नम्बर 560/2 रकबा 1.00 हेक्टर के सम्बन्ध में अपनी लिखित में सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत करे।

यह कि, यह कि ग्राम अमला में बन्दोबस्त हो जाने के कारण आराजी सर्वे नम्बर 560/2 आराजी का नवीन नम्बर 349/2 बनाया है। जिसको बैंक ऑफ इण्डिया शाखा मौलाना तहसील बड़नगर द्वारा मेरे पक्षकार निधि गृह उद्योग स्पाइसेस एण्ड फूड प्रोडूसर कम्पनी लिमिटेड के द्वारा संचालक श्री अशोककुमार जैन पिता राजमल जी जाति जैन निवासी 4, अब्बास ते यब गली बडनगर जिला उज्जैन म. प्र. वाले को ऋण प्रदान कर दिया जाएगा। जिसके बाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो। दिनांक :-19/08/2026

डी.डी. राठी एडव्होकेट खाचरोद/नागदा
कार्यालय 57, बुद्ध मार्ग खाचरोद , जिला उज्जैन
मोबाईल नम्बर 9826618187, 9977130304

रामचरितमानस के भी प्रेरणा दायी ग्रंथ- गुलाटी

महिदपुर रोड। रामचरितमानस सकल हिंदू समाज के लिये सद् मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए सुख में हुए जीवन जीने का सनातन आधार है। राम चरितमानस समाज के लिये लिखित संविधान है यह बात नगर के बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक श्री राम हनुमान मंदिर में बुधवार को तुलसी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में अपने अधिकार व्यक्त करते हुए समाज सेवी श्याम गुलाटी ने कहीं। संत गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर उनके ग्रंथ राम चरित मानस की उपस्थित राम भक्त समाज के पदाधिकारियों तथा सहित अन्य उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर अपना सिर श्रद्धा से नवाया ।

सेवानिवृत व्याख्याता डाबी का साथियों ने किया सम्मान

महिदपुर रोड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खारुआकलां में पदस्थ लेखा शास्त्र व्याख्याता गोपाल डाबी की सेवानिवृति पर संकुल केंद्र उनके शिक्षक साथियों ने बिदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर उनका सम्मान किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच जीवन चौधरी, पीपल्या तुखार के सरपंच कालुसिंह, संकुल प्राचार्य मेवाराम सिंह ददोरिया, वरिष्ठ अध्यापिका लीना परमार बाबूलाल राठौर, कापड़िया, श्री कृष्ण शर्मा, राकेश धाकड़, मुकेश डामोर, हुकुम चंद पाटीदार, संदीप मौर्य मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन शिक्षक पिंटू मालावत ने किया।

डाबिया जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण सचिव मनोनीत

जगोटी। समीपस्थ ग्राम महूडी के सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता जगदीश डाबिया को जिला कांग्रेस सेवादल

ग्रामीण अध्यक्ष डा. चैनसिंह चौधरी ने जिला सचिव मनोनीत किया है। इस मनोनयन पर अनंत शर्मा, रजनीश तिवारी, राहुल चौधरी, महेश पांचाल, ईश्वर जाधव, आजाद शाह, रामप्रसाद खुरचनिया प्रताप, धनसिंह पटेल, जनपद सदस्य प्रतिनिधि गिरधारी लाल चौहान, रणछोड़ मालवीय, कमल सूर्यवंशी रवि बोडाना, मनोहर पांचाल नंदू चौहान, टीकमसिंह ताजपुर, ओम आंजना आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

शक्कर के भावों में तेजी से चाय बेचने वालों की उड़ी नींद

महिदपुर रोड। पिछले तीन-चार दिनों से शक्कर के भाव में आए तेजी से उछाल ने महिदपुर रोड में चाय बेचने वालों की अच्छी खासी नींद उड़ा दी है। नगर के अधिकांश दुकानदार कुछ अपने पुराने कस्टमरों सहित दुकान पर आने वाले ग्राहकों को महज 5 में एक चाय उपलब्ध कराते हैं। इधर अन्य चीजों के वस्तुओं के भाव के साथ-साथ शक्कर के भावों में आई तेजी ने उन्हें अपनी कीमतों में वृद्धि करने के लिये मजबूर कर दिया है चाय विक्रेता अनिल सौलंकी कैलाश सोलंकी मुकेश पोरवाल कुक्कू मीणा तथा संतोष मीणा के अनुसार वैसे भी पिछले कई समय से 5 में चाय ग्राहकों को उपलब्ध कराना घटेगा सौदा साबित हो रहा था।

नवीन संचालक मंडल का शपथ विधि समारोह आज

तराना। लायंस क्लब तराना के नवीन संचालक मंडल का शपथ विधि समारोह का आयोजन शुक्रवार को रखा गया है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि एवं शपथ अधिकारी एम जे एफ लायन संजय सक्सेना रहेंगे। यह आयोजन महलोक डिपो के पीछे स्थित श्री कृपा एंड मैरिज गार्डन में शाम 7 बजे से आयोजित होगा। जानकारी द्वारकाधीश पलोड़ ने दी।

कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ के सभाकक्ष में

समीक्षा बैठक में लापरवाही एवं कर वसूली में उदासीनता पर वेतन कटौत्री की कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

राजगढ़ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ के सभाकक्ष में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में वीबी-जी रामजी योजना अंतर्गत लेबर नियोजन, पूर्व में स्वीकृत कार्यों की पूर्णता, सीपरी पोर्टल पर कार्यों की प्लानिंग, पंचायतीराज अंतर्गत करारोपण एवं कर वसूली, आंगनवाड़ी भवनों, पंचायत भवनों तथा विद्युत देयकों के भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वर्ष 2025 के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध जारी स्वीकृतियों की ग्राम पंचायतवार समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान कई ग्राम पंचायतों में कर वसूली नहीं किए जाने तथा बैठक में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। इस पर चंदूलाल देवड़ा सचिव ग्राम पंचायत विजयगढ़, नारायण सिंह कुशवाह ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत विजयगढ़, अनुप गुर्जर सचिव ग्राम पंचायत साका जागीर तथा निरंजन सिंह गुर्जर ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत साका जागीर के तीन दिवस के वेतन काटे जाने के आदेश दिए गए। वहीं मुकेश दांगी ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत पाडल्याबना को जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ में संलग्न किए जाने के आदेश दिए गए।

ग्राम पंचायत चारपुरा के ग्राम रोजगार सहायक धर्मेन्द्र विजयपुरिया के बिना पूर्व सूचना के समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर उन्हें जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ में संलग्न किए जाने के आदेश दिए गए। इसी प्रकार शिवनारायण झलावा सचिव ग्राम पंचायत बूचाखेड़ी तथा ओम प्रकाश सेन सचिव ग्राम पंचायत मवासा एवं अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत सराना के बिना पूर्व सूचना के बैठक में अनुपस्थित रहने तथा कर वसूली में अपेक्षित प्रगति नहीं किए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी, गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी कार्य में अनियमितता, लापरवाही अथवा निदेशों की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

तीन सचिव निलंबित

समीक्षा के दौरान कर वसूली में लापरवाही एवं बैठक में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर रमेशचंद्र मालवीय सचिव ग्राम पंचायत पाडल्याबना, चैनसिंह चौधरी सचिव ग्राम पंचायत मानपिछोड़ी तथा गजेंद्र सिंह बैस सचिव ग्राम पंचायत परसूखेड़ी के विरुद्ध भी निलंबन की कार्रवाई की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा कार्यों की गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक मन से मिलन का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बडनगर

स्थानीय माहेश्वरी मांगलिक भवन पर ज़िला स्तरीय माहेश्वरी महिला संगठनों का सम्मेलन स्थानीय इकाई द्वारा आयोजित किया गया । इस मिलन समारोह में संगठन विस्तार ओर नेतृत्व के गुर सिखाये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनीषा राठी ने की, अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्य समिति उषा सोडानी एवं राष्ट्रीय समिति सह प्रभारी श्रीमती सीमा मालपानी थी।

जिला सचिव किरण डोडिया, कोषाध्यक्ष दीपा राठी, संगठन मंत्री विनीता बियानी उपाध्यक्ष संगता भूतड़ा पुष्पा लाठी रेखा लड्ढा संयुक्त मंत्री निक्की राठी सीमा बिंझानी के साथ सभी तहसील के अध्यक्ष एवं सचिव के अतिरिक्त कार्यक्रम में पश्चिमी मध्य प्रदेश मालवांचल उपाध्यक्ष फाल्गुनी बियानी एवं महासभा प्रतिनिधि डाक्टर वासुदेव काबरा, अध्यक्ष जगमोहन बलदवा, सचिव सुरेश माहेश्वरी, ज़िला प्रतिनिधि नरेंद्र लाठी, महेश काबरा , अरविंद राठी की विशेष उपस्थिति रही।

अध्यक्ष मनीषा राठी ने अपने उद्बोधन में कहा हमें अपनी साथियो को प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी समझना चाहिए, अपनी प्रतिभा उपयोग किसी को नीचे दिखाने में नहीं बल्कि उसे ऊपर उठाने में करना चाहिए। इसी प्रकार उषा सोडानी ने कहा पद का लालच और घमंड नहीं किया जाना चाहिए मधुरता और प्रेम से सभी को साथ लेकर चलना पदाधिकारियो का दायित्व है। सीमा मालपानी ने भी सीखने की प्रक्रिया को सतत चलने वाली प्रक्रिया कहा इस प्रकार दोनों अतिथियों ने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के दायित्व विस्तार से समझाये।

दीप प्रज्वलन पश्चात महेश वंदना मंजू लाठी , श्वेता लाठी ने की। स्वागत भाषण बड़नगर अध्यक्ष अनीता मूँदडा ने दिया। सत्र में बड़नगर की बहनों ने लघु नाटिका बेटी ब्याहो , बहु पढ़ाओ की प्रस्तुति दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार दिए गए। संचालन अंजलि सोमानी ने किया, आभार जिले की ओर से संगठन मंत्री विनीता बियानी ने और स्थानीय सचिव पलक लाठी ने माना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। ये जानकारी जिला उपाध्यक्ष पुष्पा लाठी ने दी।

कीटनाशक दवाइयों का नकली कारोबार, कृषि विभाग की अनदेखी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ टोंक खुर्द

सोयाबीन फसल में कीटनाशक दवाइयों का इन दिनों नीम हकीम दुकान खोलकर कीटनाशक दवाइयों का बाजारों में कीटनाशक विक्रेताओं व्यापारियों द्वारा नकली कारोबार चल रहा है। सोयाबीन की फसल मे नकली दवाई घास चारा एवं इल्ली की दवाई सरेआम धड़ल्ले से नकली दवाइयां बेच रहे हैं।

कृषि विभाग की अनदेखी की जा रही है। सोयाबीन में घास चारा एवं विभिन्न प्रजाति का उत्पन्न चारा भी नहीं खत्म नहीं हो पा रहा है एवं इल्ली एवं कीटाणु भी नहीं मर पा रहे हैं। किसान बाजारों से दवाई विक्रेतओं से महंगे भाव में दवाई खरीद रहे हैं एवं हमें नकली दी जा रही है दवाइयां बार-बार कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। महंगे दाम पर दवाइयां खरीद कर छिड़काव किया जा रहा है।

उक्त आरोप किसान निर्भय सिंह कराड़ा ग्राम आगरी, श्रीराम गुर्जर ग्राम जामनेर, अजय गुर्जर, विनोद चावड़ा अतवास सुरेश सिंह सेठ भलाई खुर्द, दिलीप सिंह गुर्जर बागली, मनोज गुर्जर सतवास आदि देवास जिले के तहसीलों के किसान बंधुओं ने नकली दवाई विक्रेताओं के विरुद्ध शासन के प्रावधान अनुसार निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही करने की मांग की।

इनका कहना है

इस संबंध में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अधिकारी जिला देवास से चर्चा की गई तो। उन्होंने बताया कि। मैं संपूर्ण देवास जिले में कृषि विकासखंड अधिकारियों को जांच का निर्देश करूंगा और जो भी कीटनाशक दवाइयों की दुकान पर बगैर लाइसेंस एवं नकली दवाइयो बेच रहे हैं उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। संबंधित कृषि विकासखंड अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट भेजने को कहा है।

ज्ञान सिंह मोहनिया देवास

नैतिक शिक्षा से व्यक्तित्व का विकास- राजयोगी भगवान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

शिक्षा का उद्देश्य है मानव के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना, पवित्र स्वास्थ्य जीवन बनाना। इसके लिए नैतिक शिक्षा, मूल्य शिक्षा की आवश्यकता है।

उक्त उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय माउंट आबू राजस्थान से पधारे हुए राजयोगी भगवान भाई ने कहे। वे ब्यावरा पब्लिक स्कूल और मानस हायर सेकेंडरी स्कूल में नैतिक शिक्षा का जीवन में महत्व विषय पर संबोधित करते हुए बोल रहे थे। भगवान भाई ने कहा कि जीवन में कार्यकुशलता, व्यावसायिक दक्षता, बौद्धिक विकास एवं विभिन्न विषयों के साथ आपसी स्नेह, सत्यता, पवित्रता, अहिंसा, करूणा दया इत्यादि मानवीय मूल्यों के पाठ भी विद्यार्थियों को पढ़ना जरूरी हैं। क्योंकि वर्तमान के विद्यार्थी भावी समाज है। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के ह्रास के कारण समाज में हिंसक वृति बढ़ती जा रही हैं। विद्या या विमुक्तये ही शिक्षा का मूल उद्देश्य हैं। शिक्षा लेने के बाद हम सभी को नकारात्मक से, व्यर्थों से, तनाव से, व्यसनों, विकारों से मुक्त होना है ऐसी शिक्षा की आवश्यकता आज युवाओं को है। भगवान भाई ने कहा कि मूल्यों शिक्षा के ह्रास का कारण मानव संबंधों में तनाव, अविश्वास, अशांति बढ़ती जा रही हैं।

बड़ौद के विकास कार्यों को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

दैनिक अवन्तिका ▸▸ **बडौद**

नगर के विकास एवं विभिन्न जनहितैषी कार्यों को लेकर प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात बडौद नगर सहित जिले की विभिन्न समस्याओं, विकास कार्यों और आगामी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के समक्ष सड़क, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था आदि मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विषय रखें। नगर में प्रस्तावित एवं आवश्यक विकास कार्यों को गति देने के लिए शासन स्तर पर आवश्यक सहयोग और स्वीकृति देने का आग्रह किया! जनप्रतिनिधियों ने नगर की वर्तमान आवश्यकताओं से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और विकास से जुड़े विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक मधु गेहलोत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भैरू सिंह चौहान, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन लववंशी, लालसीह राजपूत, पार्षद प्रतिनिधि कमलेश जैन आदि उपस्थित थे।

विहिप व राष्ट्रीय बजरंग दल के द्वारा गौ माता की सुरक्षा को लेकर धरना प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के द्वारा गौ माता की सुरक्षा एवं गौशालाओं के समुचित संचालन हेतु प्रमुख मांगों को लेकर बुधवार को सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। साथ मुख्यमंत्री, कलेक्टर एवं एसडीएम के नाम का ज्ञापन भी सौंपा।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद मालवा प्रांत कोषाध्यक्ष मुकेश पाटीदार ने बताया कि तहसील में वर्तमान में गौ माता सड़क पर आवारा घूम रही है जिस कारण आए दिन दुर्घटना हो रही है और गौ माता घायल हो रही है वह माता सनातन हिंदू समाज की पूज्य माता है। संगठन द्वारा 28 जुलाई को एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत किया था परंतु आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

संगठन की प्रमुख मांगे यहां है कि आवारा गोवंश को गौशाला भेजा जाए। तहसील के सभी शासकीय एवं निजी गौशालाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए। कानून एवं राष्ट्रीय माता का दर्जा मध्य प्रदेश कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर को हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध एवं गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित किया जाए।

वह तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध हो प्रदेश में चल रहे अवैध कत्लखानों की सूची बनाकर तुरंत कार्रवाई की जाए। गोचर भूमि एवं शासकीय जमीनों पर वह माफिया का कब्जा हटाकर उसे गौशाला चराई हेतु आरक्षित किया जाए। धरना स्थल पर नायब तहसीलदार टीना मालवीय को ज्ञापन भी सौपा गया।

तलेन में यात्री एवं स्कूल बसों की चैकिंग कर चालानी कार्रवाई की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी ज्ञानेन्द्र वैश्य द्वारा तलेन क्षेत्र में वाहनों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान एक यात्री बस चौधरी बस सर्विस को चैक किया गया।

चालक वर्दी में नहीं होने के कारण 1000 रुपए का जुमार्ना वसूला गया। आदर्श पब्लिक स्कूल की बस में फायर फाईटर न होने एवं चालक वर्दी में नहीं होने से 3000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। आगे की कार्यवाही में मास्टर माइंड स्कूल तलेन पहुंचकर दो बस में अनियमितता पाये जाने पर 5000 रुपए का चालान किया गया। संस्कार कान्वेंट स्कूल तलेन को भी चैक किया गया। इसमें एक बस जर्जर अवस्था में पायी गई। इसका फिटनेस निरस्त किया गया तथा 10000 रुपए का जुर्माना वसूला गया।

इसी के साथ ही सर्वोदय पब्लिक स्कूल पहुंचकर बसों को चैक किया गया। इनकी बसों के दस्तावेज पूर्ण पाये गये, इनके चालकों को फायर फाईटर चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रकार की चैकिंग निरन्तर जारी रहेगी। जो भी बस बिना पूर्ण दस्तावेज के पायी जायेगी, उसके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जायेगी। तलेन में हीरो होण्डा मोटर साईकिल के शोरूम सांवरिया मोटर्स का निरीक्षण किया गया।

छात्रा जया पाटीदार ने संभाग स्तरीय कुश्ती में जीता स्वर्ण, राज्य स्तर के लिए चयनित

तराना। क्षीरसागर स्टेडियम उज्जैन में आयोजित संभाग स्तरीय 45 किलोग्राम भार वर्ग कुश्ती प्रतियोगिता में मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल तराना की छात्रा कुमारी जया पाटीदार पिता ओमप्रकाश पाटीदार ग्राम इटावा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। अपने दमदार खेल से जया ने न केवल गोल्ड मेडल अपने नाम किया बल्कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए भी चयनित हुई हैं।

विद्यालय के प्राचार्य आशीष पाटीदार ने कहा कि जया की यह उपलब्धि मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। हमें पूरा विश्वास है कि वह राज्य स्तर पर भी विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेगी। पिछले 5 वर्षों से मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल तराना के छात्र-छात्राएँ कुश्ती में लगातार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो रहे हैं। विद्यालय में कुश्ती सहित अन्य खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जाता है। विद्यालय निदेशक सत्यनारायण पाटीदार ने कहा कि जया की सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा है। विद्यालय परिवार ने जया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पवनपुत्र व्यायामशाला की 3 बालिका पहलवानों का राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में चयन

खाचरोद। शालेय संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन क्षीरसागर कुश्ती एरिना उज्जैन में संपन्न हुआ जिसमें खाचरोद नगर में महिला कुश्ती के जनक कहे जाने वाले एवं महिला कुश्ती की शुरूआत करवाने वाले पवन पुत्र व्यायामशाला के कुश्ती कोच डॉक्टर श्याम सिंह पहलवान की शिष्या अंडर - 14 में 33 किलो वजन वर्ग में सरस्वती शिशु विहार की छात्रा चंचल लोहार एवं अंडर - 17 में 69 किलो वजन वर्ग में सांदीपनि विद्यालय खाचरोद की छात्रा दिव्यांशी शिंदे तथा अंडर -17 में 57 किलो वजन वर्ग में श्री राज राजेंद्र विद्या मंदिर की छात्रा आर्या बुंदीवाल ने फाइनल में मंदसौर की बालिका पहलवान को हराकर विजेता बनी तथा इन तीनों बालिका पहलवानों ने संभाग स्तर पर विजेता होकर अपना चयन राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में करवाया आगामी राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता जबलपुर में होगी। इन तीनों बालिका पहलवानों की इस उपलब्धि पर बी.ई.ओ. गुरुदत्त जोशी सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य जुझार सिंह राठौड़ तथा प्राचार्य जितेंद्र जैन, जितेंद्र निगम प्राचार्य अरुण बाफना तथा पवन पुत्र व्यायामशाला के अध्यक्ष राकेश राठौड़, प्रकाश राठौड़, ओमवीर सिंह भदौरिया तथा खाचरोद नगर वासियों तथा खेल शिक्षक धन्नालाल चौधरी ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

सुधालाप भैरव गणेश उत्सव समिति का गठन

बड़नगर। सुधालाप भैरव मंदिर लखार सेरी द्वारा वार्षिक सभा रजक समाज धर्मशाला पर राखी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुकमाल जैन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, विशेष अतिथी डाक्टर दिलीप गुप्ता, अध्यक्षता सतीश नीमा द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा सुधालाप भैरव की तस्वीर पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित किया गया। तदपश्चात गणेश उत्सव समिति का गठन सवार्नुमति से किया गया। समिति अध्यक्ष सत्यनारायण सरसोदिया (सत्तू भैया), उपाध्यक्ष शेलेन्द्र तिवारी, कपिल सरसोदिया कोषाध्यक्ष, सचिव दिनेश निम्बोला, सहसचिव गोपाल शर्मा (गुरुजी) मनोनीत किये गए। कार्य क्रम को डॉ. जी एल ददरवाल, सुकमाल जैन एवं डॉ. दिलीप गुप्ता ने संबोधित करते हुवे कहा की उक्त समिति गणेश उत्सव के साथ ही और भी अच्छे कार्यक्रम नगर वासियों को दे पिछले वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा मुकेश राठोड सर ने रखते हुवे आगामी कार्यकर्म की रूप रेखा पर प्रकाश डाला अध्यक्षीय उद्बोदन सतीश नीमा ने अपने कार्य काल की उपलब्धि का वर्णन करते हुवे कहा की आप सभी के सहयोग से सुधालाप भेरव की आर्थिक स्थती काफी मजबूत हुई हे वार्षिक सभा में अजय दोराया पार्षद, बहादु बादशाह पार्षद, मौनु परिहार, पप्पू दुबे, सन्देश निम्बोला, द्वारकाधीश यादव, डॉ बलराम आर्य, श्याम नीमा, कुंजबिहारी सोनी आदि उपस्थित थे नवीन कार्यकारिणी का पुष्पमाला एवं दुपट्टे से स्वागत किया गया उपरोक्त जानकारी सुरेश राठोड द्वारा दी गई।

डॉ. कविता पाटीदार के भाजपा राष्ट्रीय मंत्री बनने पर कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

बड़नगर। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. कविता पाटीदार को भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर ग्राम नावदा के सरपंच संतोष पाटीदार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने महू स्थित उनके निवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद डॉ. पाटीदार द्वारा किसानों के हित में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उनका विशेष आभार भी व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ. पाटीदार ने राज्यसभा में किसानों की गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए घोड़ा रोज (नीलगाय) द्वारा फसलों को पहुंचाए जाने वाले नुकसान का मुद्दा बुलंदी से सदन में रखा था। इस अवसर पर राम पाटीदार (कृषि दर्शन), मोहनलाल डैडी, घनश्याम पाटीदार, आदित्य सिंह राणावत, जनपद सदस्य सुखदेव पाटीदार सहित अन्य मित्र मंडली एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान विष्णु के सहस्त्रबाहु मंदिर का 'सास-बहू' नाम पड़ने का यह है कारण

सास-बहू मंदिर में न तो सास की पूजा होती है और न ही बहू की पूजा होती है। तो ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस मंदिर का नाम सास-बहू मंदिर कैसे पड़ा।

आप सभी ने देवी-देवताओं के मंदिरों के बारे में तो जरूर सुना होगा। जहां पर विराजमान भगवान की नियमित रूप से पूजा होती है। लेकिन क्या आपने सास-बहु के नाम का मंदिर सुना है। यह सुनने में थोड़ा सा अजीब जरूर लग सकता है। लेकिन भारत में एक ऐसा मंदिर है, जिसका नाम सास-बहू मंदिर है। सास-बहू मंदिर का नाम सुनते ही हम सभी के दिमाग में सास-बहू के रिश्ते और उनके बीच होने वाली खट्टी-मीठी नोंकझोंक याद आता है। बता दें कि सास-बहू मंदिर में न तो सास की पूजा होती है और न ही बहू की पूजा होती है। तो ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस मंदिर का नाम सास-बहू मंदिर कैसे पड़ा।

किसने बनवाया था मंदिर

मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण कच्छवाह वंश के राजा महिपाला ने 10 या 11वीं शताब्दी के आसपास कराया था। महिपाला की रानी भगवान श्रीहरि विष्णु की परम भक्त थीं। वहीं राजा भी अपनी पत्नी के प्रति प्रेम और उदार स्वभाव रखता था। इस तरह से भगवान शिव को सम्मान देने के लिए अन्य मंदिर बनवाया। यह मंदिर राजा की बहू के बने भगवान श्रीविष्णु के मंदिर के बगल में था। जब श्रीहरि के मंदिर का निर्माण हुआ, तो इस मंदिर का नाम सहस्त्रबाहु मंदिर रखा गया।

जानें सहस्त्रबाहु मंदिर का इतिहास

राजस्थान के उदयपुर के राजसी शहर से करीब 22 किमी दूर सहस्त्रबाहु मंदिर है। जिसको सास-बहु मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर की स्थापत्य कला 10वीं शताब्दी ईस्वी के आसपास की है। प्रचलित कहानियों के अनुसार, इस मंदिर का मूल नाम सहस्त्रबाहु था, जोकि भगवान विष्णु को समर्पित है। लेकिन समय के साथ यह मंदिर सास-बहु मंदिर के नाम से जाना गया।

राजस्थान के नागदा गांव में स्थित इस परिसर के अंदर मुख्य दो मंदिर हैं। विशाल मंदिर सास और छोटा मंदिर बहू। सास मंदिर करीब 10 छोटे-छोटे मंदिरों के समूह से घिरा है। वहीं बहू मंदिर में 5 अन्य छोटे मंदिर हैं। सास के मंदिरों के समक्ष एक मेहराबदार प्रवेश द्वार है। जहां पर कुछ खास मौकों पर श्रीहरि की मूर्ति को रखा जाता है। इसमें 3 अलग दिशाओं में खुलने वाले तीन अन्य द्वार हैं। वहीं चौथा दरबार में आम जनता का जाना मना है।

पुष्कर में छुपा है 27वां शक्तिपीठ

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका आदि देशों में आदिशक्ति मां के 52 शक्तिपीठ हैं। इन शक्तिपीठों में से एक पुष्कर की पुरूहोता पहाड़ी की तलहटी में राजराजेश्वरी मणिवेदिका शक्तिपीठ स्थित है। यह 27वां शक्तिपीठ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक यहां पर मां सती के हाथ की कलाइयां गिरी थीं। यहां पर मां आदिशक्ति और मां गायत्री एक साथ विराजमान हैं। बता दें कि स्थानीय लोग मां को चामुंडा माता के नाम से भी जानते हैं। वहीं स्कंद पुराण में भी इस पावन स्थान के बारे में उल्लेख मिलता है।

27वां शक्तिपीठ- सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा की नगरी पुष्कर में जगत जननी माता का 27वां शक्तिपीठ है। सावित्री मां की पहाड़ी के पास पुरूहोता पर्वत है। धार्मिक मान्यता है कि इस पर्वत पर मां सती के दोनों हाथों की कलाइयां गिरी थी। जिससे पर्वत के बीच एक विशाल गड्ढा हो गया था। इस स्थान तक पहुंचना काफी दुर्गम है। माना जाता है कि मां की एक बुजुर्ग भक्त की प्रार्थना पर मां पहाड़ी के बीच तलहटी में आ गई थीं। सदियों से यह स्थान गुप्त और अज्ञान रहा। पुष्कर आने वाले अधिकतर भक्तों को 27वें शक्तिपीठ के बारे में कम जानकारी है। अन्य फेमस मंदिरों की तरह मां के इस पावन शक्तिपीठ का उतना ज्यादा विकास नहीं हो सका है।

पौराणिक कथा- पौराणिक कथाओं के मुताबिक महाराज दक्ष प्रजापति की पुत्री सती से भगवान शिव का विवाह हुआ था। लेकिन इस विवाह से महाराजा दक्ष प्रसन्न नहीं थे। जब प्रजापति दक्ष ने यज्ञ किया तो ब्रह्मा, विष्णु समेत सभी देवी-देवताओं को आमंत्रण दिया। लेकिन अपने दामाद और पुत्री सती को आमंत्रित नहीं किया। लेकिन सती बिना आमंत्रण के अपने पिता के घर यज्ञ में शामिल होने के लिए जाती हैं। सती के पिता के घर पहुंचने पर दक्ष ने भगवान शिव का अपमान किया। जिससे क्रोधित होकर मां सती ने अग्निकुंड में अपनी देह का त्याग कर दिया।

एक ही शिवलिंग पर दर्शन देता है पूरा शिव परिवार

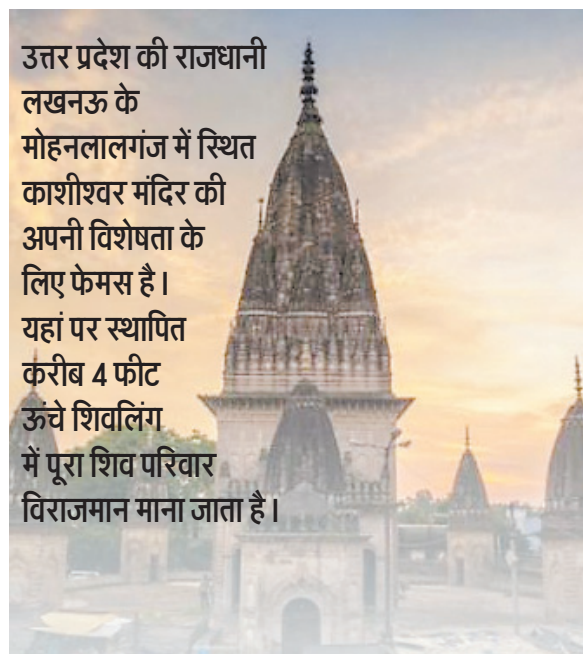

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में स्थित काशीश्वर मंदिर की अपनी विशेषता के लिए फेमस है। यहां पर स्थापित करीब 4 फीट ऊंचे शिवलिंग में पूरा शिव परिवार विराजमान माना जाता है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में स्थित काशीश्वर मंदिर की अपनी विशेषता के लिए फेमस है। यहां पर स्थापित करीब 4 फीट ऊंचे शिवलिंग में पूरा शिव परिवार विराजमान माना जाता है। इस शिवलिंग पर प्राकृतिक रूप से बनी लाल धारियों और आकृतियों में मां पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की छवि साफ दिखेगी। राजा काशी प्रसाद द्वारा यह मंदिर 1860 में बनवाया गया था। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की खासियत के बारे में...

इतिहास- मंदिर निर्माण का कार्य राजा काशी प्रसाद ने 1860 में करवाया था। उन्हीं के नाम पर इस मंदिर का नाम भी काशीश्वर महादेव पड़ा। यह मंदिर भारतीय स्थापत्य कला और लखनवी नवाबी वास्तुकला के अधार पर बना है। इस मंदिर में अष्टकोणीय यानी 8 कोनों वाली संरचना है।

शिवलिंग पर विराजमान पूरा शिव परिवार- मोहनलालगंज में मौजूद इस मंदिर में शिवलिंग में मां पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की छवि है। शिवलिंग पर बनी लाल धारियों को शिव परिवार की छवि मानी जाती है। इसके अलावा गर्भग्रह में भगवान गणेश, मां दुर्गा, सूर्य देव और भगवान विष्णु की मूर्तियां विराजमान हैं। वहीं मंदिर के गर्भग्रह के बाहर नंदी महाराज विराजमान है

Sport

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

क्रिकेटः भारत 600वें टेस्ट में जीता

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली। मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की। केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने 4 और केशरा नुवानथा ने 3 विकेट लिए।

श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक- श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए- भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए। श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने 4, प्रभात जयसूर्या ने 3 और लहिरू कुमारा ने 2 विकेट लिए।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड

नई दिल्ली। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है। यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहिए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहिए
संपर्क
9893374872

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता हैः- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

नैनो न्यूज

- **सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल की ओर** – स्कॉटलैंड की जोड़ी के हटने से भारतीय जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।
- **लक्ष्य सेन-सिंधु पर नजरें** – दिल्ली में चल रही विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में आज भारतीय खिलाड़ियों के कई अहम मुकाबले हैं।
- **पंत ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड** – ऋषभ पंत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए, शुबमन गिल को पीछे छोड़ा।
- **मानव सुथार की शानदार शुरूआत** – श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले मानव सुथार की चेतेश्वर पुजारा ने तारीफ की।
- **पाकिस्तान-इंग्लैंड टेस्ट शुरू** – हेडिंग्ले में आज पहला टेस्ट शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी, जबकि बाबर आजम चोट के कारण बाहर हैं।
- **जमाल मुसियाला को न्यूरोलॉजिकल समस्या** – बायर्न म्यूनिख के स्टार फुटबॉलर ने प्री-सीजन मैचों में दो बार गिरने के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्या की जानकारी दी।
- **निक किर्गियोस पर अस्थायी निलंबन** – टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस को कोकीन के मेटाबोलाइट की जांच में पुष्टि के बाद अस्थायी रूप से निलंबित किया गया।

सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (एमवीएल) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और एमवीएल के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है। प्रज्ञानानंदा और टश्छ के बीच मुकाबले की शुरूआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरूआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं। अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है; दोनों के 5-5 अंक हैं।

न्यूज कॉलम

धार में जुआ खेलते 6 आरोपी गिरफ्तार

धार। धार जिले के तिरला में पुलिस ने बुधवार रात जुआ खेल रहे 6 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 हजार 260 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि तिरला थाना क्षेत्र में कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से नरेंद्र डांगी (50), कुणाल चौधरी (23), मुन्नालाल (49), दिलीप (45), दयाराम (40) और मुख्तियार खान (48) को गिरफ्तार किया। ये सभी धार और तिरला क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने मौके से जुए में इस्तेमाल हो रहे 52 ताश के पत्ते और 11,260 रुपए जब्त किए।

पीथमपुर की फैक्ट्रियों के गंदे पानी पर उठे सवाल

धार। धार और इंदौर जिले की सीमा से गुजरने वाली चंबल नदी इन दिनों प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। शुरूआती बारिश के साथ ही नदी का पानी काला और गहरे हरे रंग का दिखाई देने लगा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-3 की कुछ फैक्ट्रियों से निकलने वाला प्रदूषित पानी नालों के जरिए नदी में पहुंच रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बारिश शुरू होते ही नालों के जरिए नदी में पहुंचने वाले पानी से चंबल का रंग बदल जाता है। उनका दावा है कि बढ़ते प्रदूषण का असर मछलियों और दूसरे जलीय जीवों पर पड़ रहा है। नदी किनारे बसे गांवों के जलस्रोतों के भी प्रदूषित होने की आशंका जताई जा रही है।

राजस्व निरीक्षक पर हमला करने वाले तीन गिरफ्तार

कुक्षी, धार। कुक्षी पुलिस ने राजस्व निरीक्षक अंबालाल तड़वाल पर हमला कर लूटने का प्रयास करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 31 जुलाई को कुक्षी-मनावर रोड पर हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक और धारदार हथियार भी जब्त किया है। कुक्षी थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान ने बताया कि 31 जुलाई की शाम राजस्व निरीक्षक अंबालाल तड़वाल मनावर से ड्यूटी कर अपनी बाइक से ग्राम रेबड़दा स्थित घर जा रहे थे। कुक्षी-मनावर रोड पर पीछे से आए बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें आवाज देकर रोका। परिचित समझकर आरआई ने अपनी बाइक रोक दी। बाइक रुकते ही बदमाशों ने अंबालाल तड़वाल के साथ मारपीट शुरू कर दी और उनका मोबाइल छीन लिया।

झाबुआ में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

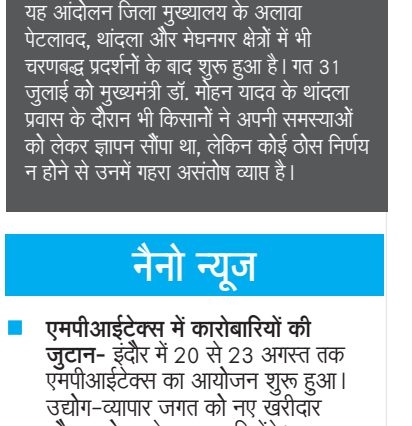

फोरलेन मुआवजे की मांग पर कलेक्ट्रेट परिसर घेरा

झाबुआ। झाबुआ में बदनावर-टिमरवानी फोरलेन निर्माण के मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने गुरुवार से कलेक्ट्रेट परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। भारतीय किसान संघ के बैनर तले यह प्रदर्शन उन किसानों द्वारा किया जा रहा है, जो दिए जा रहे मुआवजे से असंतुष्ट हैं। इस विरोध प्रदर्शन में प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ दूर-दराज के किसान भी बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। इस आंदोलन में भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के संभाग अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह राठौर, प्रांत उपाध्यक्ष दयाराम पटीदार, जिला अध्यक्ष बच्चू सिंह मेड़ा और जिला मंत्री वरदीचंद पटीदार सहित कई किसान नेता उपस्थित रहे। किसानों की लंबे समय से मांग है कि उन्हें फोरलेन भूमि अधिग्रहण के बदले नियमानुसार बाजार मूल्य से चार गुना अधिक मुआवजा दिया जाए। प्रशासन की कथित उदासीनता से नाराज किसानों ने धरना स्थल पर सद्बुद्धि के गीत गाकर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का अनूठा तरीका अपनाया। यह आंदोलन जिला मुख्यालय के अलावा पेटलावद, थांदला और मेघनगर क्षेत्रों में भी चरणबद्ध प्रदर्शनों के बाद शुरू हुआ है। गत 31 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के थांदला प्रवास के दौरान भी किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा था, लेकिन कोई ठोस निर्णय न होने से उनमें गहरा असंतोष व्याप्त है।

नैनो न्यूज

- **एमपीआईटेक्स में कारोबारियों की जुटान-** इंदौर में 20 से 23 अगस्त तक एमपीआईटेक्स का आयोजन शुरू हुआ। उद्योग-व्यापार जगत को नए खरीदार और कारोबार के अवसर मिलेंगे।
- **सराफा बाजार में भाव उछले-** 20 अगस्त को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी लौटी। इंदौर के सराफा कारोबारियों के साथ आभूषण खरीदारों पर भी इसका असर रहेगा।
- **प्याज के भाव में तेजी-** इंदौर मंडी में आज प्याज के औसत भाव करीब 2,800-3,200 रुपए क्विंटल रहे। अच्छी क्वालिटी का प्याज 3,800 रुपए तक पहुंचा।
- **शेयर बाजार की तेजी का असर-** सेंसेक्स में 550 अंकों की तेजी और निफ्टी के 24,200 पार पहुंचने से इंदौर के निवेशकों में भी बाजार को लेकर उत्साह बढ़ा।
- **ट्रेड फेयर में कारोबारियों की जुटान-** इंदौर में एमपीआईटेक्स 2026 आज से शुरू हुआ। 23 अगस्त तक चलने वाले मेले में एमएसएमई उत्पादों और कारोबार को बढ़ावा मिलेगा।
- **एमपीआईटेक्स में कारोबार का मंच-** इंदौर में एमपीआईटेक्स 2026 आज से शुरू हुआ। 23 अगस्त तक चलने वाले आयोजन में एमएसएमई उत्पादों और व्यापारिक संपर्कों को बढ़ावा मिलेगा।

रक्षाबंधन से पहले इंदौर में मिलावटखोरों पर शिकंजा, 200 से ज्यादा सैंपल लिए

अब मिठाई की दुकानों और कारखानों पर दबिश देकर लिए जाएंगे सैंपल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

रक्षाबंधन त्योहार से पहले इंदौर में खाद्य विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। त्योहार को देखते हुए विभाग ने करीब एक महीने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं।

दूध और दूध से बने उत्पादों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 200 से अधिक सैंपल लिए जा चुके हैं। इनमें जो नमूने खाद्य मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। अब विभाग की टीम का फोकस मिठाइयों पर रहेगा।

बस और रेलवे स्टेशन पर भी विशेष कार्रवाई

खाद्य विभाग की टीम की विशेष नजर बस और रेलवे स्टेशन पर रहेगी। अधिकारियों के मुताबिक छोटे जिलों और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में मावा और मिठाइयां इंदौर पहुंचती हैं। त्योहार के दौरान इनकी आवक बढ़ने की संभावना है। ऐसे में बाहर से आने वाले खाद्य पदार्थों की भी जांच की जाएगी।

खाद्य विभाग के पास स्टाफ की कमी

खाद्य विभाग के सामने स्टाफ की कमी भी बड़ी चुनौती है। जिले में अधिकारी और अन्य स्टाफ के केवल 11 पद स्वीकृत हैं और लगभग इतना ही स्टाफ वर्तमान में उपलब्ध है। विभाग को शहर की आबादी, खाद्य प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए करीब 25 अधिकारियों-कर्मचारियों की जरूरत है।

शहर की अलग-अलग मिठाई दुकानों और निर्माण इकाइयों पर टीम दबिश देगी। मिठाइयों के साथ मावा, घी, खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जाएंगे। जहां अस्वच्छ या अनहाइजीनिक परिस्थितियां मिलीं, वहां संबंधित प्रतिष्ठान को सुधार के लिए नोटिस देने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि विभाग की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर सैंपलिंग और जांच कर रही है। मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जाएगी, ताकि रक्षाबंधन के दौरान लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिल सके। इंदौर में करीब 5 हजार से ज्यादा मिठाई की दुकानें हैं। त्योहार के दौरान मिठाइयों की मांग कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य विभाग की टीम दुकानों के साथ मिठाई बनाने वाले कारखानों पर भी निगरानी रखेगी। अधिकारियों की नजर खासतौर पर मावे और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता पर रहेगी। पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित अग्रवाल के मुताबिक मिलावटी खाद्य पदार्थों का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है।

नकली रंग, हानिकारक रसायन और घटिया गुणवत्ता की सामग्री के लंबे समय तक सेवन से पेट, लीवर और किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर अधिक हो सकता है। इंदौर में बड़ी संख्या में छोटी-बड़ी खाद्य निर्माण इकाइयां संचालित होती हैं। यहां तैयार होने वाली खाद्य सामग्री केवल शहर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई होती है। ऐसे में यहां होने वाली मिलावट का असर व्यापक स्तर पर हो सकता है। विभाग के अनुसार दूध से बने उत्पादों और मसालों में मिलावट की शिकायतें और मामले ज्यादा सामने आते हैं।

इंदौर का स्वच्छता मॉडल देखने बंगाल से पहुंची टीम

स्वच्छता में बहुत पीछे हैं, इंदौर का मॉडल अपनाएंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

स्वच्छता के क्षेत्र में देश-दुनिया में पहचान बना चुका इंदौर अब पश्चिम बंगाल के लिए रोल मॉडल बन रहा है। पश्चिम बंगाल के रूरल डेवलपमेंट एवं पंचायत मंत्री दिलीप घोष गुरुवार को अधिकारियों की टीम के साथ इंदौर पहुंचे।

टीम में आईआईटी के प्रोफेसर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के इंजीनियर समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे। टीम ने इंदौर के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से लेकर घर-घर कचरा संग्रहण, सेग्रीगेशन, परिवहन और कचरे की प्रोसेसिंग तक की व्यवस्था को करीब से समझा। कचरे का सेग्रीगेशन किस तरह होता है और उसे किस तरह

कैसे बना इंदौर देश का सबसे साफ शहर, यह समझने आए

मंत्री घोष ने कहा कि इंदौर आज ही नहीं, बल्कि कई सालों से देश का सबसे साफ शहर बना हुआ है और लगातार इस व्यवस्था को बनाए हुए है। बंगाल की टीम यह समझने आई है कि आखिर इंदौर ने यह मुकाम कैसे हासिल किया और इसे लगातार कैसे बरकरार रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीम ने यहां सफाई व्यवस्था, उसकी मॉनिटरिंग और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की पूरी प्रोसेस को समझा।

ट्रांसपोर्ट व प्रोसेस किया जाता है, इसकी भी जानकारी ली गई। टीम ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया। मंत्री ने कहा कि जब स्वच्छता की बात होती है तो इंदौर का नाम सबसे पहले आता है। यह हमारे लिए एक मॉडल है। इंदौर यहां तक कैसे पहुंचा, इसका इतिहास और यहां लागू किए गए सिस्टम को हम समझ रहे हैं। धीरे-धीरे इसी प्रक्रिया को पश्चिम बंगाल में शुरू किया जाएगा। उन्होंने माना कि स्वच्छता के मामले में बंगाल अभी काफी पीछे है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार नई आई है। अभी से इस पर पूरा ध्यान देकर व्यवस्था को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

सिम मामले में महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की लिंक

अन्य आरोपियों की तलाश में इंदौर क्राइम ब्रांच, डेटा भी खंगाल रहे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

साइबर फ्रॉड के लिए सिम मुहैया कराने वाले तीन आरोपी क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में हैं। तीनों से पूछताछ में क्राइम ब्रांच को महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की लिंक भी मिली है। जिस पर टीम काम कर रही है। बताया जा रहा है कि इस मामले में ओर भी आरोपी है, जिन्हें टीम जल्द पकड़ेगी।

दरअसल, इंदौर क्राइम ब्रांच ने साइबर अपराधियों तक पहुंचने वाले फर्जी और संदिग्ध सिम कार्ड के नेटवर्क पर कार्रवाई की और बुधवार को मामले का खुलासा किया। गृह मंत्रालय के आई3सी से मिली संदिग्ध पीओसी धारकों और फेक सिम यूजर की सूची के आधार पर की गई जांच में चार संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए।

इन नंबरों से जुड़े सिम का इस्तेमाल महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में हुए साइबर फ्रॉड में किया गया था। शिकायतों के मिलान में कुल 84 लाख 58 हजार 499 रुपए की धोखाधड़ी सामने आई है। क्राइम ब्रांच ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन सिम कार्ड को किन लोगों तक पहुंचाया गया और इनके पीछे साइबर फ्रॉड का कितना बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने राजेंद्र राऊत(40) निवासी स्वर्ण बाग कॉलोनी, आनंद वासरे(22) निवासी मालवा मिल, सूरज सिंह(24) निवासी पाटनीपुरा को गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि पकड़ाए तीनों आरोपियों से क्राइम ब्रांच पूछताछ कर रही है। टीम को महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की कुछ लिंक मिली है, जिस पर टीम काम कर रही है। इस मामले में और भी आरोपियों के बारे में जानकारी मिली है, जिन्हें जल्द पकड़ा जाएगा।

कमरे में युवक के साथ मिली पत्नी को पति ने फटकारा

महिला ने एसिड पीकर जान दी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम दुधिया में एक महिला ने एसिड पीकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि पति ने उसे एक युवक के साथ कमरे में देख लिया था। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई और पति ने पत्नी को डांट लगाई। इसके बाद पति अपनी बेटी को लेकर घर से चला गया। कुछ देर बाद लौटने पर महिला की तबीयत बिगड़ी मिली। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रानू (31) पत्नी सोनू लोधी ने बुधवार को एसिड पी लिया था। पति सोनू ने बताया कि वह घर पहुंचा तो पत्नी एक युवक आशीष के साथ कमरे में बैठी थी। इस बात पर उसने पत्नी को फटकार लगाई। दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद सोनू अपनी एक बेटी को लेकर घर से चला गया। कुछ देर बाद सोनू वापस लौटा तो रानू की तबीयत बिगड़ी हुई थी। पूछने पर उसने एसिड पीने की बात बताई। सोनू उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को रानू की मौत हो गई। सोनू ने बताया कि उसकी शादी को करीब 9 साल हो चुके हैं। उसकी दो बेटियां हैं। वह मूल रूप से विदिशा का रहने वाला है और दुधिया में एक कीटनाशक कंपनी में काम करता है। सोनू के मुताबिक, जिस आशीष को उसने पत्नी के साथ देखा था, वह भी दुधिया इलाके का रहने वाला है। सोनू के घर पहुंचने पर आशीष वहां से भाग गया था।

ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2026

मुंबई में जुटेंगे देश-दुनिया के विशेषज्ञ नेट-जीरो भविष्य पर होगा मंथन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मुंबई

सीआईआई-इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल का 24वां ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 26 से 28 नवंबर 2026 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। इस वर्ष की थीम फॉर्जिंग ए सस्टेनेबल फ्यूचर- डू गुड, फील गुड। बिल्डिंग ग्रीनर वर्ल्ड्स टुगेदर रखी गई है।

आयोजन में सरकार, उद्योग, वित्त, शिक्षा और वैश्विक ग्रीन बिल्डिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ ग्रीन एवं नेट-जीरो निर्माण को बढ़ावा देने पर मंथन करेंगे। आईजीबीसी के अनुसार देश में 20,000 से अधिक ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट पंजीकृत हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 16.33 अरब वर्गफुट है। कांग्रेस में 3,000 से अधिक प्रतिनिधियों और 10,000 से अधिक बिजनेस विजिटर्स के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन के साथ ग्रीन बिल्डिंग एक्सपो भी होगा।

कोर्ट के आदेश पर आईटीआई गेस्ट फैकल्टी पर एफआईआर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मुंबई

हीरा नगर थाना क्षेत्र में कोर्ट के आदेश के बाद आईटीआई की एक गेस्ट फैकल्टी के खिलाफ गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी महिला फैकल्टी शासन द्वारा दिव्यांग छात्र-छात्राओं को दिए जाने वाले निशुल्क भोजन के बदले उनसे हर महीने 2 से 3 हजार रुपए ले रही थी। फरियादी अंजू कोहली की शिकायत और अदालत के निर्देश के बाद पुलिस ने आरोपी इंद्रा जाटव (पति अनिल जाटव, निवासी राजीव आवास विहार) के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं में केस दर्ज किया है।

हीरा नगर थाना प्रभारी (टीआई) सुशील पटेल ने बताया कि आरोपी इंद्रा यहां गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत थी। शासन की योजना के अनुसार संस्थान में पढ़ने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। शनिवार और रविवार को मेस बंद रहने का फायदा उठाकर आरोपी महिला फैकल्टी भोजन देने के नाम पर हर विद्यार्थी से 500 से 700 रुपए तक लेती थी। इस मामले में एक दिव्यांग छात्रा ने वकील के माध्यम से कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर हीरा नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। थाना प्रभारी के मुताबिक, फिलहाल आरोपी महिला टीचर की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर-दाहोद रेल प्रोजेक्ट

2.95 किमी सुरंग की लाइनिंग पूरी

अब ट्रैक बिछाने का काम तेज, रेस्क्यू शाफ्ट और वेंटिलेशन का काम भी जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत बन रही करीब 2.95 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुरंग की लाइनिंग का काम पूरा हो चुका है। अब अंदर ट्रैक बिछाने के साथ ड्रेनेज, पीसीसी और सुरक्षा से जुड़े अन्य कामों को गति दी गई है। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के मुताबिक, सुरंग में कई निर्माण कार्य समानांतर चल रहे हैं। लाइनिंग पूरी होने के बाद अब बैलास्टलेस ट्रैक और अन्य सिविल वर्क पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सुरंग में अब तक 1216 मीटर बैलास्टलेस ट्रैक तैयार हो चुका है। वर्तमान में 810 मीटर हिस्से में ट्रैक बिछाने का काम जारी है। पीसीसी की फाइनल लेयर का 1470 मीटर और पहली लेयर का 2007 मीटर काम पूरा हो चुका है। फिलहाल 740 मीटर में पीसीसी का काम चल रहा है। सुरंग में जलभराव रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण भी साथ-साथ किया जा रहा है। दोनों तरफ की साइड ड्रेन, इनवर्ट ड्रेन और अन्य संरचनात्मक कार्यों का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। कट एंड कवर सेक्शन में ओवरट रिइनफोर्समेंट और लाइनिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है। बाकी ड्रेनेज और बैकफिलिंग जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

इमरजेंसी में बचाव के इंतजाम

सुरंग में यात्रियों की सुरक्षा के लिए रिफ्यूज निच और रेस्क्यू शाफ्ट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा वेंटिलेशन डक्ट और एग्जॉस्ट फैन लगाने का काम भी जारी है। इन व्यवस्थाओं से सुरंग के भीतर हवा का प्रवाह बनाए रखने और आपात स्थिति में धुआं बाहर निकालने में मदद मिलेगी। पश्चिम रेलवे का निर्माण विभाग सुरंग के बाकी सिविल कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए आधुनिक मशीनरी और उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। ट्रैक, ड्रेनेज और अन्य निर्माण कार्यों को समानांतर गति दी जा रही है। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश और गुजरात के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। इससे यात्रियों के लिए आवागमन आसान होने के साथ माल परिवहन को भी गति मिलने की उम्मीद है। इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को भी इस परियोजना से फायदा मिल सकता है।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com